वर्ष : 34 ▸ अंक :23 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 31 मार्च 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

फिल्म 'हीरामंडी' के बाद अदिति राव हैदरी को नहीं मिल रहा काम

▸ पेज -7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

नीतीश के आवास पर एनडीए की अहम बैठक

▸ पेज - 8

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली समेंत देश के कई हिस्सों में दिखा ईद का चांद

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में रविवार शाम ईद-उल-फितर का चांद आसमान में नजर आ गया। इसी के साथ रमजान का पवित्र महीना संपन्न हो गया और सोमवार को देशभर में ईद मनाई जा रही है। चांदनी चौक स्थित मुगलकालीन फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने कहा कि रविवार शाम दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कई शहरों, हरियाणा के मेवात, झारखंड और बिहार समेत देश के कई स्थानों पर ईद का चांद देखा गया। उन्होंने कहा, लिहाजा शव्वाल (इस्लामी कैलेंडर का 10वां महीना) महीने का पहला दिन सोमवार 31 मार्च को है। ईद का त्योहार शव्वाल महीने के पहले दिन मनाया जाता है। मुस्लिम संगठन इमारत-ए-शरीया-हिंद ने भी एक बयान जारी कर राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में ईद का चांद दिखने की पुष्टि की।

नाबालिग भतीजे की हत्या करने वाला मामा गिरफ्तार

पुणे । पुणे जिले के सिंहगढ़ रोड पर नरहे इलाके में मामूली विवाद पर अपने 15 वर्षीय भतीजे की छाती में चाकू घोंपकर हत्या करने वाले हत्यारोपित मामा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले की छानबीन सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार, इस घटना में मृतक भतीजे की पहचान गजानन गजकोश (15) के रुप में की गई है। गजानन शुक्रवार को पुणे के सिंहगढ़ में रहने वाले अपने मामा मेघनाथ अशोक ठकसे (41) के घर गया था । बीती रात गजानन का उसके मामा के बेटे के साथ मामूली विवाद हो गया। जिससे गुस्साए मेघनाथ ने अपने भतीजे गजानन को बेल्ट से बुरी तरह पीटा। इसके बाद उसने रसोई के चाकू से उसकी छाती पर वार कर दिया और फरार हो गया। पड़ोसी घायल गजानन को तत्काल नजदीकी अस्पताल में ले गए लेकिन डॉक्टरों ने गजानन को मृत घोषित कर दिया।

लालू-राबड़ी ने बिहार को जंगल राज में बदला : अमित शाह

मीसा भारती ने किया पलटवार

एजेंसी । पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान में अभी काफी वक्त है, लेकिन सियासी हलचल तेज हो गई है। देश के कई बड़े नेता बिहार दौरे पर जाने लगे हैं और अपनी पार्टी के लिए सियासी जमीन तरासने में जुटे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह भी आज बिहार के दौरे पर हैं, इस दौरान उन्होंने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के शासनकाल पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने बिहार को जंगल राज में बदल दिया था। शाह के आरोप पर लालू की बेटी और सांसद मीसा भारती ने पलटवार किया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पटना में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, "बिहार में लालू-राबड़ी सरकार को जंगल राज को बढ़ावा देने को लेकर याद किया जाएगा। इनके शासनकाल में बिहार को जंगल राज में बदल दिया गया था।" शाह ने लालू पर हमला करते हुए कहा उन्होंने (लालू प्रसाद यादव) बिहार के विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए कुछ भी नहीं किया, उनके कार्यकाल के दौरान प्रदेश में कई चीनी मिलें तक बंद हो गईं।"

UPA ने बिहार को ज्यादा फंड नहीं दिया : शाह

अपने संबोधन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के शासनकाल में बिहार में हत्या, अपहरण और नरसंहार के साथ ही चारा घोटाले जैसे कांड भी हुए। उन्होंने यह भी कहा, "लोग बिहार में जंगल राज, गैंगवार और अपहरण की वापसी बिल्कुल नहीं चाहते।" उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद एनडीए एक बार फिर भारी बहुमत के साथ राज्य में सरकार बनाएगी। यूपीए शासनकाल और एनडीए शासनकाल की ओर से जारी किए गए फंड की तुलना करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) की सरकार के दौरान बिहार को सिर्फ 2.80 लाख करोड़ मिले थे जबकि बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार ने राज्य को 9.23 लाख करोड़ रुपये दिए। अमित शाह के आरोप पर आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा, "अगर किसी ने बिहार को फैक्ट्री देने का काम किया तो वे लालू यादव हैं। उन्होंने बिहार में 3 फैक्ट्रियां लगवाया था। जब लालू की सरकार थी तब उन्होंने यहां पर 6 यूनिवर्सिटी भी बनवाए थे। पटना आने से पहले गृह मंत्री अमित शाह को इसकी जानकारी ले लेनी चाहिए थी।" इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर राज्य में 800 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने सहकारिता विभाग की 111 करोड़ के साथ ही नगर विकास एवं आवास विभाग की 421 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन किया।

2026 तक इतिहास बन जाएगा नक्सलवाद: गृहमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या गंभीर है। नक्सली हमलों की घटनाएं भी लगातार हो रही हैं लेकिन इस बीच एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। बीजापुर में 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। मामले में अमित शाह ने ट्वीट कर इस उपलब्धि की सराहना की है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह नक्सलवाद खत्म होना चाहिए। एसपी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 25-25 हजार रुपये सहायता राशि दी गई है। नक्सलियों से सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ प्राप्त कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए कहा गया है। वे आम व्यक्ति की नई जीवन की शुरुआत कर सकते हैं।

अमित शाह ने कहा- 2026 तक देश से नक्सवाद का खत्मा कर देंगे

अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा है कि यह बहुत खुशी की बात है कि बीजापुर में 50 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया। हिंसा और हथियार छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल होने वालों का मैं स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद इतिहास बन जाएगा, यह हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने दी सुरक्षाबलों को बधाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरक्षा बलों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राज्य की नई आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम जमीन पर दिखाई दे रहे हैं। नक्सलवाद के दुष्चक्र में फंसे लोग अब हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं। हमारी सरकार हर उस व्यक्ति के पुनरुत्थान के लिए तैयार है जो हिंसा छोड़कर शांति का रास्ता अपनाता है। छत्तीसगढ़ अब शांति, विकास और नयी चेतना के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 134 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 118 बस्तर संभाग में मारे गए।

कड़ी सुरक्षा के बीच होगी ईद की नमाज

● संवेदनशील इलाकों में तैनात पुलिस बल

नागपुर। देश में कल यानी सोमवार को बड़ी ही धूमधाम से ईद मनाई जाएगी। कल सुबह तकरीबन 9 बजे अलग-अलग मस्जिदों में 1 महीने तक रमजान में रोजा रखने वाले रोजेदार ईद की नमाज पढ़ेंगे, लेकिन नागपुर के महाल, चिटनिस पार्क, मोमिनपुरा, भगदालपुरा और हंसापुरी इलाकों में कल ईद की नमाज भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच बीतने वाली है। इसका कारण है 17 मार्च को इन इलाकों में हुई हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी की घटना है। औरंगजेब की कब्र को लेकर और मुस्लिम धर्म के प्रमुख ग्रंथ को जलाए जाने की गलतफहमी के बाद 17 मार्च को नागपुर के कई इलाकों में हिंसा फैल गई थी। इन मामलों में अब तक एक दर्जन से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई है और इस हिंसा के बाद कि पहली ईद है। वहीं, 8 अप्रैल को रामनवमी भी है और रामनवमी की झांकी पूरे नागपुर में निकाली जानी शुरू हो गई है।

हिंसा वाले इलाकों में पुलिस मुस्तैद

ईद से पहले ही नागपुर के हिंसा वाले इलाकों में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस सुरक्षा को देखते हुए किसी भी तरह की कोई कोताही बरतने को तैयार नहीं है। टीवी 9 की टीम जब इन हिंसाग्रस्त इलाके चिटनिस पार्क में विजिट किया तो देखा कि एक तरफ मस्जिदों में सजावट की जा रही थी। वहीं, दूसरी तरफ रामनवमी की झांकी सजाई जा रही थी। झांकी में अयोध्या मंदिर की तर्ज पर हूबहू राम मंदिर बनाया गया था।

मस्जिदों के सामने बनी रामनवमी की झांकी

मस्जिदों और रामनवमी की झांकी की दूरी महज 10 मीटर है। यहां हिंदू समाज के लोगों ने बैनर से गेट बनाए हैं। यह वही इलाका जहां सबसे पहले हिंसा फैली थी। यही वजह है कि चिटनिस पार्क चौक पर 24 घंटे बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। दंगा निरोधक दस्ता सड़क पर है, दंगा निरोधक पथक की वैन पार्क खड़ी है। इसी के साथ पुलिस की बड़ी लगातार इलाके में पैट्रोलिंग कर रही है। इस इलाके के लोगों का कहना है कि यहां हिन्दू-मुस्लिम दंगा कभी नही हुआ।

फिल्म से जागे हिंदू किसी काम के नहीं राज ठाकरे का औरंगजेब पर बड़ा बयान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मनसे नेता राज ठाकरे ने रविवार को गुड़ी पड़वा के अवसर पर आयोजित रैली में फिल्म छावा और औरंगजेब को लेकर बड़ा बयान दिया है। राज ठाकरे ने कहा कि फिल्म से जागृत हुए हिंदू किसी काम के नहीं हैं। जैसे ही फिल्म थियेटर से बाहर निकली, यह सब खत्म हो जाएगा। क्या आप छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान को समझते हैं? क्या विक्की कौशल की वजह से आपको संभाजी महाराज के बारे में समझ आया? क्या अक्षय खन्ना के औरंगजेब बनने के बाद आपको औरंगजेब की समझ आने लगी? आप व्हाट्सएप पर इतिहास नहीं पढ़ सकते। इतिहास पढ़ने के लिए आपको खुद को किताब में डुबोना होगा। राज ठाकरे ने तंज कसते हुए कहा कि आजकल कोई भी इतिहास के बारे में बात नहीं करता। उन्होंने

कहा, 'लोग विधानसभा में भी इतिहास के बारे में बात करते हैं। वे औरंगजेब के बारे में बात करते हैं। क्या आप जानते हैं औरंगजेब का क्या हुआ?' उन्होंने कहा कि औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था। उसका जन्म दाहोद गांव में हुआ था। इतिहास के माध्यम से जाति और वर्ग के बीच रेखा खींचना आसान है। वे राजनीतिक मुद्दा गरमाना चाहते हैं। उनका संभाजी राजा के प्रति कोई कर्तव्य नहीं है और औरंगजेब के प्रति भी कोई कर्तव्य नहीं है।

औरंगजेब को लेकर राज ठाकरे ने कही बड़ी बात

उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज इस भारतीय प्रांत को दी गई विरासत हैं। यह एक चमत्कार है। यह एक अजीब घटना है। छत्रपति शिवाजी महाराज एक विचार हैं। उस विचार के जन्म से पहले इस भारतीय प्रांत की स्थिति क्या थी? सभी जातियों के लोग किसी न किसी के लिए काम कर रहे थे। शिवाजी महाराज के पिता आदिलशाही में थे। इसके बाद वे निजामशाही चले गये। वो समय अलग था। राज ठाकरे ने कहा कि स्थिति अलग है। राज ठाकरे ने शिवाजी पार्क में अपनी रैली में कुंभ पर दिए गए अपने बयान को लेकर कुछ हिंदुत्ववादियों की आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनका मकसद गंगा या कुंभ का अपमान करना नहीं था, बल्कि देश में नदियों की खराब हालत पर ध्यान आकर्षित करना था।

संघ समाज से करता है प्रेम : भागवत

▸▸ 1.5 लाख के ऊपर चल रहे हैं काम

एजेंसी । नागपुर

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ विचार की प्रेरणा स्वार्थ की प्रेरणा नहीं है और ना ही भय है। शुद्ध सात्विक प्रेम की प्रेरणा है। इसी प्रेरणा की वजह से 1.5 लाख के ऊपर समाज सेवा के काम चल रहा है। समाज ने संघ के स्वयंसेवक को काम करते देखा। सेवा के काम दया भाव से नहीं बल्कि समाज के प्रति प्रेम से मिलता है।

स्वयं सेवक अपने लिए कुछ नहीं चाहते बल्कि अपने लिए कष्ट सहने की प्रेरणा करते हैं। इसके परिणाम स्वरूप अनुकूलता भी आई और बाधा भी दूर हुई।

समाज से है अथाह प्रेम

मोहन भागवत ने नागपुर में एक संबोधन के दौरान कहा कि ऐसे में स्वयं सेवक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन ध्येय की वही दृष्टि अभी भी कायम है। ये सारे सेवा भाव समाज के अथाव प्रेम की वजह से करते हैं। इस सेवा का एक और भी उद्देश्य है कि हम सभी लोगों को एक नजरिया दे सकें। मोहन भागवत ने कहा कि हमें परिस्थितियों के हिसाब से जो कुछ भी मिला हम उसी का बेहतर उपयो करें। अपने जीवन को स्वच्छ, सार्थक और निरामय बनाना, ये सभी को पूरा करने के लिए जीवन की जो दृष्टि है वो सारी इनकी है। ये दृष्टि सेवा भाव की वजह से हमारे पास आएगा।

उन्होंने कहा कि हमारे जीवन की परंपरा में एक सूत्र ये है कि सभी का परोपकार किया जाए। उन्होंने कहा कि एक घंटे में शाखा में विकास और शेष 23 घंटे समाज के पोपकार के कामों में लगाए। उन्होंने कहा कि यही वो दृष्टि और नजरिया है जिसको देश के लोगों को देने के लिए संघ के सभी काम चलते हैं। मोहन भागवन ने कहा कि संसाधन और अनुकूलता पाने के बाद भी ऐसे ही चलते रहेंगे। जब साधनों का उपयोग करने वालों का भाव ऐसा ही रहेगा तो इसका लाभ समाज के लोगों को भी मिल सकेगा।

म्यांमार के शहरों में सड़े शवों से फैल रही दुर्गंध

▸▸ भूकंप से अब तक 1,700 की मौत

डीबीडी संवाददाता । मांडले

म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले में भूकंप की तबाही के बाद सड़कों पर सड़ते हुए शवों की दुर्गंध फैलनी शुरू हो गई है। लोग अपने परिजनों को खोजने के लिए मलबा हटाने के काम में बेतहाशा जुटे हुए हैं। बता दें कि शुक्रवार दोपहर 7.7 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें अब तक 1,700 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और अनगिनत लोग अब भी मलबे में दबे हुए हैं। इस भूकंप का केंद्र मांडले के पास था, जिससे शहर की कई इमारतें ढह गईं और बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा। टूटी हुई सड़कें, गिरे हुए पुल और संचार बाधित होने के कारण राहत कार्य प्रभावित हुआ है। साथ ही, देश में जारी गृहयुद्ध से बचाव अभियानों में और भी कठिनाइयां आ रही हैं। स्थानीय लोग बिना किसी भारी उपकरण की मदद के अपने हाथों और फावड़ों से मलबा हटाने को मजबूर हैं। तेज गर्मी के बीच राहत और बचाव कार्य धीमी गति से चल रहा है।

रविवार को फिर आया भूकंप का झटका, फैली दहशत

इस बीच, रविवार दोपहर आए 5.1 तीव्रता के झटकों ने लोगों में दहशत फैला दी, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर से राहत कार्य शुरू कर दिया गया। मांडले के 15 लाख निवासियों में से कई को रात सड़कों पर बितानी पड़ी, जबकि हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस भूकंप ने पड़ोसी देश थाईलैंड को भी प्रभावित किया, जहां कम से कम 17 लोगों की मौत हुई है।

स्थानीय लोगों को डर है कि लगातार आने वाले झटकों के कारण अस्थिर इमारतें कभी भी गिर सकती हैं। राहत संगठनों के अनुसार, अब तक म्यांमार में 1,644 लोगों की मौत और 3,408 लोग घायल हो चुके हैं। कई क्षेत्रों में अभी तक बचाव कार्य नहीं पहुंच पाया है, और लोग अपने हाथों से मलबा हटाने में लगे हुए हैं।

10 हजार तक पहुंच सकती है मृतकों की संख्या

स्थानीय लोगों की मदद करने के लिए भारत समेत कई देशों की ओर से राहत पहुंचाई जा रही है, लेकिन मलबे में दबे लोगों को निकालने में अभी भी काफी चुनौतियां बनी हुई हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा के पूर्वानुमान मॉडलिंग ने अनुमान लगाया है कि म्यांमार में मरने वालों की संख्या 10,000 से अधिक हो सकती है और नुकसान देश के वार्षिक आर्थिक उत्पादन को प्रभावित कर सकता है।

राहत और बचाव कार्य में जुटे लोग

विदेशी सहायता म्यांमार पहुंचने लगी है। भारत ने दो सी-17 सैन्य परिवहन विमानों के जरिए राहत सामग्री और 120 सैन्य कर्मियों को भेजा है। ये दल उत्तर मांडले में 60 बिस्तरों वाला आपातकालीन उपचार केंद्र स्थापित करेगा।

म्यांमार का सबसे बड़ा शहर यांगून अंतरराष्ट्रीय सहायता के लिए प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां अन्य देशों से भी मदद पहुंच रही है। यह भूकंप वाकई विनाशकारी रहा है। म्यांमार पहले से ही राजनीतिक और आर्थिक संकटों से जूझ रहा था और अब यह प्राकृतिक आपदा वहां के लोगों के लिए और भी कठिनाइयां लेकर आई है।

चीन, दक्षिण कोरिया और जापान ने मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने पर किया समझौता

सियोल। चीन, दक्षिण कोरिया और जापान ने मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से कदम उठाने का निर्णय लिया है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिससे वैश्विक व्यापार पर असर पड़ने की संभावना है।

पांच वर्षों में पहली बार हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में दक्षिण कोरिया के उद्योग मंत्री आहन डुक-ग्यून, जापान के उनके समकक्ष योजी मुतो और चीन के वांग वेंताओ ने भाग लिया। बैठक के दौरान तीनों देशों ने त्रिपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता तेज करने और व्यापार एवं निवेश के लिए स्थिर माहौल बनाने पर सहमति जताई।

दक्षिण कोरियाई मंत्री आहन डुक-ग्यून ने कहा कि बदलते वैश्विक आर्थिक हालात और बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच इन तीनों देशों को मिलकर जवाब देना होगा। जापानी अधिकारी यासुजी कोमियामा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था खंडित हो रही है, जिससे व्यापार को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

कर्ज माफी नहीं होने वाला बयान किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है : हर्षवर्धन

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

जिन लोगों को जनता ने बहुमत देकर सत्ता में बिठाया था, वे अब राक्षसों की तरह बात करने और काम करने लगे हैं। विधानसभा चुनाव में कर्ज माफी का वादा कर महायुति राज्य के किसानों के वोट जीतकर सत्ता में आई थी, लेकिन अब वे जोर देकर कह रहे हैं कि अगर आप 31 मार्च से पहले अपने फसल ऋण का भुगतान करते हैं, तो आपको कर्जमाफी नहीं मिलेगी। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार का यह बयान कि कर्जमाफी नहीं होगी, किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने पूछा, दादा तेरा वादा क्या हुआ? यह नाराजगी भरा सवाल महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने उल्हासनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में कही। शनिवार को उल्हासनगर-2 स्थित कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपकाल ने उपरोक्त आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव प्रचार और घोषणापत्र के दौरान महायुति ने किसानों की कर्जमाफी और 10 लाख करोड़ रुपये के वादे किए थे। प्यारी बहनों को 2,100 रुपये, लेकिन आज भी केवल 1,500 रुपये की राशि प्यारी बहनों को दी जा रही है। इसके विपरीत, लड़की बहन योजना से 10 लाख बहनों के नाम काट दिए गए हैं।

सपकाल ने यह भी कहा कि लगातार मोदी-शाह का गुणगान करने वाले ट्रिपल इंजन सरकार के नेताओं को दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से राज्य के लिए विशेष पैकेज लाना चाहिए। मोदी सरकार की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह सरकार की नीतियों से देश में मध्यम वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग बढ़ा, लेकिन मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में यह वर्ग कमजोर हुआ है और छोटे, मध्यम और बड़े उद्यम तो खत्म होने तक लगे हैं। नोटबंदी और जीएसटी के बाद यह कारोबार प्रभावित हुआ है। विमुद्रीकरण से कालाधन उजागर नहीं हुआ, बल्कि आरबीआइ में जितनी मुद्रा थी, उतनी ही जमा हो गई। लेकिन विमुद्रीकरण के कारण मध्यम आकार के व्यवसाय ध्वस्त हो गये।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रैली

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आज उल्हासनगर, कल्याण डोंबिवली का दौरा किया और स्थानीय पदाधिकारियों से बातचीत की तथा कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाव योजना लागू की, बांग्लादेश का निर्माण किया, बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, जबकि राजीव गांधी पंचायत राज लाए और कंप्यूटर क्रांति लाई। डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए नीतियां बनाईं कि पैसा आम आदमी तक पहुंचे। हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया है, लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री झूठे और उपद्रवी के रूप में जाने जाते हैं। मोदी का शासन 'हम दो हमारे दो की नीति पर चल रही है। अब हमें लड़ना है और यह लड़ाई जीवन-मरण की है, 'करो या मरो' की है, इसलिए लड़ने के लिए तैयार रहें, ऐसी अपील कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष के साथ पूर्व सांसद हुसैन दलवई, प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन एडवोकेट भी मौजूद थे। गणेश पाटिल, उल्हासनगर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रोहित साल्वे और उल्हासनगर कांग्रेस के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चेटीचंड के दिन महायात्रा शोभायात्रा में लालसाई के भक्त झूमे

भव्य रूप से निकली ईष्ट देव झूलेलाल की शोभा यात्रा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर। संतों की नगरी के रूप में अपनी पहचान बना चुके उल्हासनगर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चेटीचंड के उपलक्ष्य में लाल साई (झूलेलाल) इष्ट देव की भव्य शोभा यात्रा बड़े ही धूम-धाम से गाजे-बाजे के साथ निकाली गई।

बता दें कि 30 मार्च की सुबह 10 बजे से उल्हासनगर कैम्प-2 के झूलेलाल मंदिर से कैम्प 5 के चालिया मंदिर तक लाल साई की महायात्रा निकाली गई।जहां विधायक कुमार आयलानी झूलेलाल मंदिर में पहुंचे और नववर्ष की शुरुआत पर भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद लिया। इसी दिन नव दिन के नवरात्र व्रत की शुरुआत भी होने जा रही है। हिंदुओं के नव वर्ष की शुरुआत लाल साई और जय माता दी के जयकारे के साथ हुई। इस अवसर पर भक्तों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस भव्य शोभा यात्रा में भाऊ लीलाराम सहित कल्याण सांसद श्रीकांत शिंदे,कुमार आयलानी (विधायक),महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी,अन्नू मनवानी समेत अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान संत-समागम का आशीर्वाद शहरवासियों पर फूलों की वर्षा करके की गई। पुलिस प्रशासन का कड़ा बंदोबस्त रहा।शहर के तमाम व्यापारी, समाजसेवी व नेताओं ने भव्य शोभा यात्रा में शिरकत की और लाल साई का आशीर्वाद पाया।

नववर्ष शोभायात्रा में जीडीपी चित्ररथ का ठाणे में अभूतपूर्व स्वागत

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

रविवार को ठाणे में सुबह ऐतिहासिक कौपीनेश्वर मंदिर परिसर से कौपीनेश्वर सांस्कृतिक ट्रस्ट, ठाणे द्वारा नववर्ष स्वागत जुलूस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला परिषद, ठाणे के माध्यम से चित्ररथ प्रस्तुति के माध्यम से पहली भागीदारी दर्ज की गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में, ठाणे जिला परिषद की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत करने वाला एक चित्र रथ इस स्वागत जुलूस के लिए तैयार किया गया था। नागरिकों ने इस जुलूस में उत्साहपूर्वक भाग लिया दरअसल जिला परिषद, ठाणे के अंतर्गत कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ठाणे जिला परिषद

की ओर से बताया गया कि चूंकि यह इस तीर्थयात्रा का 25वां वर्ष है, इसलिए इस वर्ष की तीर्थयात्रा में 'संस्कृति के महाकुंभ' का साक्षी बनने का लोगों को अवसर मिला, साथ ही जिसमें जिला परिषद के साथ-साथ विभिन्न संस्थाओं, महाविद्यालयों और विद्यालयों की भी भागीदारी रही। चित्ररथ के माध्यम से, एससी/एसटी/बीपीएल महिलाओं को डूब मजदूरी, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर कृषि स्वावलंबन योजना/बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना , उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए विकलांग छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति, प्रधानमंत्री आवाज योजना-ग्रामीण जैसी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

श्री कौपिनेश्वर मंदिर तक यात्रा निकाली

- राज्य के इस प्राचीनतम ऐतिहासिक श्री कौपिनेश्वर मंदिर में आपका स्वागत है यह श्लोगनुके साथ इस चित्र रथ यात्रा ने ठाणे शहर में रंगो बापूजी गुप्ते चौक जांभली नाका - दग्दी स्कूल - श्री गजानन महाराज चौक - तीन पेट्रोल पंप - हरिनिवास सर्किल - नौपाड़ा पुलिस स्टेशन - टेलीफोन एक्सचेंज चौक - गोखले रोड - स्वीट कॉर्नर - राम मारुति रोड - पूना गाडगिल ज्वेलर्स - तलवपाली - दाएं मुड़ें और फिर कौपिनेश्वर मंदिर तक इस यात्रा को पूरा किया।

आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ के हाथों पाथर्ली स्कूल में सौर ऊर्जा प्रणाली का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

गुड़ी पड़वा के शुभ मुहूर्त पर लोक सहभागिता के माध्यम से महापालिका के डोंबिवली पूर्व स्थित पाथर्ली स्कूल क्रमांक 62 में सौर ऊर्जा प्रणाली का शुभारंभ महापालिका आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ के हाथों आज किया गया। पाथर्ली स्थित स्कूल क्रमांक 62 अब महापालिका की कल्याण डोंबिवली की पहली सौर स्कूल के रूप में पहचानी जाएगी, और महापालिका के अन्य स्कूलों में भी माह मई के पूर्व लोक सहभागिता से सौर ऊर्जा प्रणाली कार्यान्वित की जाएगी, ऐसी जानकारी महापालिका आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने दी। आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने महापालिका स्कूलों के संपूर्ण कायापलट की शुरुआत की है, और महापालिका के स्कूलों में सौर ऊर्जा प्रणाली के कार्यान्वयन से बिजली की पूरी तरह से बचत होगी।

ये रहे उपस्थित

इस कार्यक्रम के दौरान सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने वाले रीजेंसी निर्माण ग्रुप के विकासक अनिल भतीजा, अत्यंत कम समय में यह प्रणाली स्थापित करने वाले कॉस्मो इंटरप्राइजेज, तथा इसके लिए विशेष प्रयास करने वाले महापालिका के विद्युत विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रशांत भागवत, उप

अभियंता जितेंद्र शिंदे और पर्यवेक्षक संदीप गिरी को महापालिका आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ के हाथों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महापालिका के उपायुक्त संजय जाधव, शिक्षणाधिकारी विजय सरकटे, महापालिका के स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एंबेसडर डॉ. प्रशांत पाटील, पूर्व पालिका सदस्य और अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

बदलापुर में मराठी नववर्ष का हर्षोल्लास के साथ स्वागत

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

बदलापुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मराठी नववर्ष का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न हिस्सों में नववर्ष के स्वागत जुलूस निकाले गए। पारंपरिक पोशाक पहने और ढोल-नगाड़ों की ध्वनि के साथ निकले स्वागत जुलूस ने शहर में उत्साह का माहौल पैदा कर दिया और मराठों की समृद्ध संस्कृति की झलक दिखायी। हर साल गुड़ी पड़वा के अवसर पर बदलापुर में नववर्ष स्वागत यात्रा का आयोजन करके मराठी नववर्ष का स्वागत किया जाता है। इस वर्ष भी नये वर्ष के स्वागत की तैयारियां की गयीं।

जुलूस के द्वारा मराठा संस्कृति की झलक

इस उद्देश्य से शनिवार रात से ही शहर के चौराहों और सड़कों पर रंगोली बनाई गई। रविवार सुबह शहर के विभिन्न हिस्सों में नववर्ष के स्वागत जुलूस शुरू हो गए। बदलापुर के पूर्व में कत्रप क्षेत्र में श्रीराम प्रतिष्ठान द्वारा नववर्ष जुलूस का आयोजन किया गया। इस स्वागत जुलूस में हजारों लोग, युवा और वृद्ध, शामिल हुए। पारंपरिक पैठणी परिधान पहने हुए बड़ी संख्या में महिलाएं दो बाइकों पर सवार होकर जुलूस में शामिल हुईं। सामाजिक संदेश देने वाले रथों ने खुशनुमा माहौल बनाया। स्वागत जुलूस कत्रप झील से योगेश्वर होटल शिव मंदिर तक ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ निकाला गया। इस जुलूस का आकर्षण राम, सीता और हनुमान की वेशभूषा में शामिल नागरिकों की भागीदारी थी। मारुति देवस्थान एवं नववर्ष स्वागत समिति द्वारा बदलापुर के पश्चिम में हेंड्रेपाड़ा से बदलापुर के पूर्व में गांधी चौक स्थित हनुमान मारुति देवस्थान तक स्वागत जुलूस का आयोजन किया गया। जगद्गुरु नरेंद्राचार्यजी महाराज संस्थान से संबद्ध ठाणे ग्रामीण जिला सेवा समिति द्वारा बदलापुर पूर्व स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से संभाजीनगर स्थित जरिमारी मंदिर तक शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

नवी मुंबई महानगरपालिका

बकाया संपत्ति कर वसूलने के लिए जोरदार अभियान

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका ने नोटिस की अनदेखी करने वाले संपत्ति मालिकों को बकाया संपत्ति कर का भुगतान करने का नोटिस जारी किया है।महानगरपालिका आयुक्त तथा प्रशासक डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार संपत्ति कर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर निगम के तुर्भे डिवीजन कार्यालय ने रेनबो बिजनेस पार्क स्थित हैवरे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में स्थित 232 प्रतिष्ठानों के बाहर ढोल बजाकर उन्हें संपत्ति कर बकाया जमा करने के लिए जगाया। हैवर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में 1 करोड़ 25 लाख रुपये के संपत्ति कर बकाया वाले डिफॉल्टरों के नामों की सूची भी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की गई। उक्त कार्रवाई नवी मुंबई महानगरपालिका के तुर्भे प्रभाग कार्यालय के प्रशासकीय अधिकारी संजय तड़वी के नियंत्रण में की गई।

- संपत्ति कर न चुकाने वाले नवी मुंबई नगर निगम के रडार पर
- संपत्ति कर बकायादारों से 31 मार्च 2025 से पहले कर का भुगतान करने का आग्रह

ढोल बजाकर दी गई चेतावनी

- कर चूककर्ताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में श्री संजय तड़वी ने जानकारी दी है और इसके अनुसार, हावरे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में कुल 253 प्रतिष्ठान हैं। इनमें से 21 प्रतिष्ठानों ने संपत्ति कर का भुगतान कर दिया है। शेष 232 प्रतिष्ठानों के बाहर ढोल बजाकर उन्हें संपत्ति कर जमा करने के लिए जागृत किया गया। इसके अलावा, कर न चुकाने वाले लोगों के नाम और उन पर बकाया राशि की सूची उनके प्रतिष्ठानों के बाहर प्रदर्शित की गई। कर बकाया वाले संपत्ति मालिकों को भी चेतावनी दी गई है कि वे 31 मार्च 2025 से पहले अपने संपत्ति कर का बकाया भुगतान करें, अन्यथा संपत्ति सील कर दी जाएगी।

'अभय' योजना से मिलेगी राहत

- नवी मुंबई नगर निगम ने अन्य स्थानों पर भी कर वसूली के लिए इसी तरह की कार्रवाई की है। तुर्भे स्थित भूमिराज सोसायटी में ढोल बजाकर 2.5 करोड़ रुपए का कर वसूला गया। नेरुल की अमय सोसाइटी द्वारा 3.5 करोड़ रुपये का पूरा संपत्ति कर चुकाने के बाद सील की गई संपत्तियों को मुक्त कर दिया गया। नवी मुंबई नगर निगम ने 'अभय' योजना शुरू की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संपत्ति कर बकाया रखने वालों पर कर चुकाने के लिए कोई वित्तीय दबाव न पड़े। संपत्तिकर बकाया पर दंड पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करने वाली अभय योजना का लाभ लेने और 31 मार्च 2025 से पहले वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए संपत्तिकर का भुगतान करने की अपील आयुक्त और प्रशासक डॉ. कैलाश शिंदे ने की है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे और विधायक केलकर ने पालकी उठाकर किया नववर्ष का स्वागत

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

गुडी पड़वा के अवसर पर और नए साल के स्वागत के लिए ठाणे के प्राचीनतम शिवजी के कोपिनेश्वर मंदिर से एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। शोभायात्रा का आरंभ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और विधायक संजय केलकर द्वारा पालकी की पूजा करके किया गया। इसके साथ स्वयं उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और विधायक संजय केलकर इस जुलूस में मंदिर की पालकी कंधों पर उठाकर इस शोभायात्रा में सैकड़ों श्रदालुओं के साथ शामिल हुए। इस शोभा यात्रा में विधायक संजय. केलकर ने लेज़िम बजाकर हिंदू नववर्ष का स्वागत किया। वारकरी समाज भी नववर्ष के अवसर पर शोभा यात्रा भी में भाग लेते हैं। आज गुडी पाडवा के पर्व पर जाँभली नाका पर चिंतामणि चौक पर विधायक संजय केलकर ने मसूंदा तालाब में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर पुष्प वर्षा की और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा के ठाणे शहर अध्यक्ष संजय वाघुले उपस्थित थे।

गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष की दी शुभकामनाएं

इस जुलूस में भाग लेते हुए केलकर ने कोपिनेश्वर मंदिर परिसर का दौरा किया तथा गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष के अवसर पर नागरिकों को शुभकामनाएं दी गईं। उल्लेखनीय है कि सबसे अधिक प्राचीनतम माने जाने वाले इस शिवजी के प्रसिद्ध मंदिर को देखने के लिए दूर दूर से श्रद्धालु आते है।यह बारहवीं शताब्दी प्राचीनतम शिवजी का मंदिर है जिसमें विशाल आकार के शिवलिंग स्थापित हैं।

शोभा यात्रा भी निकाली

इसी तरह लोढ़ा आमरा परिसर नए साल के जुलूस मै विधायक केलकर ने भाग लिया और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। लोढ़ा अमारा परिसर के नागरिकों ने संयुक्त हिंदू नववर्ष स्वागत जुलूस निकाला। इस शोभा यात्रा की शुरुआत केलकर द्वारा नारियल रोपण के साथ हुई। इस जुलूस के दौरान लाठीकठी, लिज़िम और वारकरी की डिंडी जैसे मराठा खेलों का आयोजन किया गया।

मीरा भायंदर नगर निगम को राष्ट्रीय स्कॉच पुरस्कारों में स्वच्छता के लिए रजत पुरस्कार से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मीरा-भायंदर

स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए मीरा भायंदर नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में नगर निगम को नगर निगम की क्यूआर-आधारित डिजिटल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार 2025 (भारत का सर्वोच्च स्वतंत्र और ईमानदार पुरस्कार) प्रदान किया गया। यह पुरस्कार मीरा भायंदर नगर निगम आयुक्त और प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. सचिन बांगर, नगर अभियंता दीपक खांबित ने प्राप्त किया। मीरा भायंदर नगर निगम ने स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप अपशिष्ट संग्रहण और पृथक्करण के लिए क्यूआर-आधारित प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली ने अपशिष्ट संग्रहण को अधिक प्रभावी, नियोजित और पारदर्शी बनाया है। इसने नागरिकों की शिकायतों को भी कम किया है और शहर को स्वच्छ और अधिक सुंदर बनाए रखने में मदद की है। राष्ट्रीय स्तर पर मीरा भायंदर नगर निगम की इस अभिनव प्रणाली को ध्यान में रखते हुए स्कॉच समूह ने इस पहल को सम्मानित किया है।

स्कॉच पुरस्कार – एक गर्व का क्षण!

स्कॉच पुरस्कार लोक प्रशासन, सुशासन और तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए दिया जाने वाला देश का सर्वोच्च पुरस्कार है। इस पुरस्कार को स्वीकार करने के बाद आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा ने पूरे मनपा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार पूरे मीरा भायंदर शहर के लिए गौरव की बात है। मनपा भविष्य में और अधिक नवीन पहलों को लागू करके मीरा भायंदर को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में से एक बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेगी। मनपा प्रशासन ने यह पुरस्कार शहर के नागरिकों को समर्पित किया है और भविष्य में कचरा प्रबंधन, स्वच्छता और पर्यावरण अनुकूल पहल को और मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। यह पुरस्कार मीरा भायंदर मनपा के अच्छे प्रशासनिक व्यवहारों और नवाचारों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरणा बनेगा।

नमुंमपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने ऐरोली डिवीजन में विभिन्न सेवा सुविधाओं का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे का विशेष ध्यान इस बात पर है कि नवी मुंबई नगर निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं और सुविधाएं लोगों के अनुकूल हों। तदनुसार, उन्होंने ऐरोली मंडल कार्यालय, राजमाता जिजाऊ अस्पताल, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक के साथ-साथ सेक्टर 3 और 4 में सड़कों और फुटपाथों का निरीक्षण किया, विभिन्न सुधारों का सुझाव दिया और उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

ऐरोली मंडल कार्यालय के निरीक्षण दौरे के दौरान उन्होंने 100 दिवसीय 7 सूत्री कार्ययोजना के क्रियान्वयन के अनुरूप आगंतुकों के लिए प्रतीक्षालय में बैठने की व्यवस्था बढ़ाने तथा वहां नगर निगम की पुस्तकें एवं सूचना पुस्तिकाएं रखने के निर्देश दिए। यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा शौचालयों की नियमित सफाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय अभिलेखों के अभिलेखीकरण, वर्गीकरण एवं संरक्षण की प्रक्रिया को नियमानुसार उचित एवं त्वरित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसी

प्रकार, आयुक्त ने यह भी सुझाव दिया कि जलकर एवं कर भुगतान केन्द्रों पर कार्य में तेजी लाई जाए तथा नागरिकों को यह जानकारी दी जाए कि ऑनलाइन कर भुगतान आसान एवं सुविधाजनक तरीके से किया जा सकता है, तथा इस प्रक्रिया के प्रचार के लिए पोस्टर लगाए जाएं। आयुक्त ने इस भवन में स्थित जोन 2 विभाग के कार्यालयों के संयुक्त अभिलेख कक्ष का निरीक्षण किया तथा अभिलेखों को व्यवस्थित एवं संरक्षित करने के आधुनिक तरीके अपनाने के निर्देश दिए। विभागीय कार्यालय के बगल में स्थित सामुदायिक मंदिर भवन की आवश्यक मरम्मत करने तथा उसका बेहतर उपयोग करने के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बीड मस्जिद धमाका

ओवैसी का फडणवीस सरकार पर सवाल, 'क्या अब बुलडोजर से होगा इंसाफ?'

मुंबई। महाराष्ट्र के बीड जिले में कल शनिवार देर रात एक मस्जिद में जिलेटिन की छड़ों की वजह से धमाका हो गया जिससे इमारत को खासा नुकसान पहुंचा. बीड धमाके पर AIMIM के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने निराशा जताई और दावा किया कि इस धमाके से मस्जिद को भारी नुकसान पहुंचा है और इस धमाके ने गांव के मुसलमानों को झकझोर करके रख दिया है. उन्होंने सवाल किया कि क्या इन आरोपियों को बुलडोजर से न्याय दिया जाएगा?

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने पोस्ट में कहा, "महाराष्ट्र के बीड में कल 29 मार्च की तड़के सुबह 2:30 बजे विजय गव्हाने और श्रीराम सागड़े ने एक मस्जिद को निशाना बनाकर बड़ा धमाका किया." उन्होंने आगे कहा कि विजय ने जिलेटिन की छड़ों के साथ अपना एक वीडियो भी पोस्ट किया था. यह साफ है कि उसे हीरो की तरह ट्रीट किए जाने का भरोसा है. धमाके में मस्जिद को भारी नुकसान पहुंचा है और इस हमले ने गांव के मुसलमानों को हिलाकर रख दिया है.

ओवैसी ने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही शफीक भाऊ और एडवोकेट खिजर पटेल के रूप में एआईएमआईएम की हमारी टीम मौके पर पहुंची और एफआईआर दर्ज करवाने में मदद की. हालांकि असदुद्दीन ओवैसी ने मामले में राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार पर हमला करते हुए कहा, "मामले में BNS और IEA की कमजोर धाराएं ही क्यों लगाई गईं और उन पर UAPA क्यों नहीं लगाया गया? क्या वे आतंकवादी नहीं हैं?"

घटना के बाद गांव में तनाव

गांव में तनाव के बारे में अधिकारी ने बताया कि घटना की वजह से गांव में खासा तनाव की स्थिति है और वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. उन्होंने बताया कि एक शख्स मस्जिद के पिछले हिस्से से अंदर घुसा और उसने वहां कथित तौर पर जिलेटिन की कुछ छड़ें रख दीं, जिनसे बड़ा धमाका हो गया. धमाके के बारे में गांव के मुखिया ने रविवार तड़के करीब चार बजे तलवाडा पुलिस को सूचना दी.

संस्कारी लोगों को किसने उकसाया : ओवैसी

बुलडोजर एक्शन की बात करते हुए ओवैसी ने कहा, "क्या इन आरोपियों को बुलडोजर से न्याय मिलेगा? क्या उन्हें मस्जिद के पुनर्निर्माण के लिए मुआवजा देने के लिए कहा जाएगा?" उन्होंने यह भी कहा कि इन संस्कारी लोगों को किसने उकसाया? क्या यह कोई फिल्म थी या मुसलमानों के खिलाफ लगातार भड़काऊ भाषण? ओवैसी की तरह महाराष्ट्र से समाजवादी पार्टी के विधायक अबु आसिम आजमी ने भी पूछा, "मैं महाराष्ट्र सरकार से यह सवाल पूछना चाहता हूं कि बीड मस्जिद पर जिलेटिन के जरिए विस्फोट करने वाले आतंकवादियों पर कौन सी धाराएं लगाई गई हैं? हमारी मांग है कि धर्म देखकर कानूनी कार्रवाई ना करें, इंसाफ करें."

बीड धमाके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि धमाका किसने किया है उसकी जानकारी सामने आई है. लेकिन मामले की बाकी जानकारी वहां के एसीपी प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए देंगे.

ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित

मुंबई। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों के कारण, 25 फरवरी से लेकर 1 मई, 2025 तक 66 दिनों का ब्लॉक निर्धारित किया गया था, उसे अब 10 मई, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें आंशिक रूप से निरस्त रहेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन/विस्तार किया जाएगा।पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क विभाग से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 22933 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को सांगानेर में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा तथा यह ट्रेन 05 मई, 2025 तक सांगानेर और जयपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। ट्रेन संख्या 22934 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को सांगानेर से शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा तथा यह ट्रेन 06 मई, 2025 तक जयपुर और सांगानेर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 20951 ओखा-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 05 मई 2025 तक के लिए खातीपुरा स्टेशन तक बढ़ाया गया है। ट्रेन संख्या 20952 जयपुर-ओखा साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 06 मई, 2025 तक खातीपुरा स्टेशन से चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 14702 बांद्रा टर्मिनस-श्री गंगानगर अरावली एक्सप्रेस को 09 मई, 2025 तक के लिए फुलेरा और रींगस के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। इसलिए, यह ट्रेन रेनवाल स्टेशन पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 14701 श्री गंगानगर-बांद्रा टर्मिनस अरावली एक्सप्रेस को 09 मई, 2025 तक के लिए रींगस और फुलेरा के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। इसलिए, यह ट्रेन रेनवाल स्टेशन पर रुकेगी।

नागपुर हिंसा और औरंगजेब की कब्र विवाद पर नितिन गडकरी का बयान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में हुई हिंसा और औरंगजेब के कब्र खोदे जाने की मांग को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हम संवेदनशील समाज में रहते हैं, हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म (छावा) में जो कुछ बताया गया था वो सच्चाई सामने आई है। नागपुर हिंसा के बाद महाराष्ट्र में बीजेपी की ओर से कई नेताओं से दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, "कोई भी व्यक्ति जब कोई बयान देता है तो यह उसके समाज का, उसकी पार्टी का, उसके धर्म का, या फिर उसकी जाति का है, ऐसा नहीं समझना चाहिए। समस्या यह है कि हम संवेदनशील समाज में रहते हैं, हमारी उपासना पद्धति अलग-अलग है। और हम एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।"

मुस्लिम धर्म के लोग भी औरंगजेब को नहीं मानते : गडकरी

औरगंजेब की कब्र खुदाने पर मचे बवाल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, जहां तक औरगंजेब का सवाल है। औरगंजेब ने अपने पिता को जेल में बंद किया था। अपने भाई की हत्या कर दी थी। उनमें जिस किसी ने अच्छाई देखी होगी, ये उनका सवाल है। अच्छाई भी हो सकती है, लेकिन आज औरगंजेब को मुस्लिम धर्म के लोग मानते हैं, ऐसी स्थिति भी नहीं है। इतिहास पर उठे विवाद पर गडकरी ने आगे कहा, "इतिहास को कभी मिटाया नहीं जा सकता। इतिहास में जो कुछ बताया गया, फिल्म में जो बताया गया था वो तो सच्चाई थी। हमारी संस्कृति भी यही है कि हर समय रामायण और महाभारत से हमें ये संदेश मिला कि हमारा व्यवहार कैसा रहा है। जिस व्यक्ति से लड़ाई हुई, जिसे हराने के बाद भी प्रभु राम ने रावण के साथ और लंका में वहां के लोगों के साथ किस तरह का व्यवहार किया। इसी तरह महाभारत में जीत मिलने के बाद भगवान कृष्ण और पांडव ने बाकी लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया।" उन्होंने आगे कहा, "मुझे लगता है कि इन बातों से विवाद बढ़ाने की जगह पुराने इतिहास से अगर वर्तमान काल में कुछ प्रेरणा मिलती है तो वह इतिहास निश्चित तौर पर प्रेरणादायी होती है। लेकिन अब उसको लेकर विवाद करना, झगड़े करना मेरे ख्याल से सही नहीं है।"

नागपुर में 17 मार्च की शाम को अफवाह फैलने के बाद अचानक लोग भड़क गए। उन्होंने कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर पथराव और भारी आगजनी।

एकनाथ शिंदे के विद्रोह और राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविता का शहाजीबाजू ने दिया जवाब

मुंबई। पिछले सप्ताह से राज्य में व्यंग्यात्मक कविताएं गाई जा रही हैं। इसका कारण हास्य कलाकार कुणाल कामरा द्वारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर गाई गई कविता है। कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे के विद्रोह और राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविता गाई। इससे राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। ठाकरे गुट के नेता कामरा का समर्थन कर रहे हैं, जबकि शिंदे गुट के नेता आक्रामक रुख अपना रहे हैं। कुणाल कामरा को फिलहाल राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्होंने सुरक्षा की मांग की थी क्योंकि उनके खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा था। इस मामले ने राजनीतिक माहौल को रंगीन बना दिया है।

कुणाल कामरा के स्टूडियो को ध्वस्त कर दिया गया है और जिस होटल में स्टूडियो स्थित है, उस पर भी बुलडोजर चलाया गया है। इस मामले को लेकर शिंदे गुट के नेता आक्रामक रुख अपना रहे हैं। अब शिंदे गुट के नेता शहाजीबापू पाटिल ने एक विशेष कविता प्रस्तुत की है।

शिंदे गुट के नेता शहाजीबापू पाटिल अपने बयान, 'क्या पेड़ हैक्या पहाड़ है' के कारण काफी चर्चा में आए थे। अब शहाजीबापू ने कविता के जरिए कुणाल कामरा की आलोचना का जवाब दिया है।

क्या बोले शहाजीबापू पाटिल?

शहाजीबापू पाटिल ने कुणाल कामरा और उद्धव ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'मातोश्री के आंगन में कामरा आया और सुपारी लेकर गीत गाया, उद्धवजी को खुशी आया लेकीन ठाणे का टायगर आंखों में अंगार उबाठा को खत्म करणे महाराष्ट्र के मैदान में आया।'आगे बोलते हुए शहाजीबापू पाटिल ने कहा कि कुणाल कामरा से राज्य की जनता आहत हुई है। उन्होंने कहा, 'कुणाल कामरा के व्यंग्य गीत ने राज्य के 14 करोड़ लोगों के दिलों को ठेस पहुंचाई है। इसलिए, उन्होंने कहा है कि वे संगोल में कुणाल कामरा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। मैं मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को एक कानून पारित करने के लिए एक पत्र भी लिखूंगा, जो महापुरुषों के बारे में अपमानजनक बयान देने वालों को सख्त सजा देगा।

अपने वजन से दिल्ली से फंड प्राप्त करना चाहिए

वहीं, राज्य में नई महागठबंधन सरकार का पहला बजट पेश किया गया। हालांकि, इसमें लाडकी बहनों के लिए बढ़ी हुई किस्तें और किसानों की कर्ज माफी शामिल नहीं थी। इस संबंध में शिंदे गुट के नेता शहाजीबापू ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को दिल्ली दरबार में अपने वजन का इस्तेमाल कर फंड प्राप्त करना चाहिए और किसानों का कर्ज माफ करना चाहिए!

असमंजस में फंसे धारावीवासी, DRA ने जारी की दस्तावेज जमा करने की डेडलाइन

मुंबई। धारावी पुनर्विकास परियोजना के तहत झुग्गीवासियों की पात्रता निर्धारित करने के लिए धारावी पुनर्वास प्राधिकरण (DRA) और नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) द्वारा सर्वेक्षण किया जा रहा है।

सर्वेक्षण अपने अंतिम चरण में है, फिर भी कई लोगों ने सर्वेक्षण पूरा नहीं किया है या दस्तावेज जमा नहीं किए हैं। इसलिए ऐसे झोपड़पट्टी धारकों को अपने दस्तावेज जमा करने के लिए 15 अप्रैल तक की मोहलत दी गई है।

डीआरए और एनएमडीपीएल ने धारावी में मार्च 2024 में सर्वेक्षण शुरू किया था। इस दौरान शुरुआत में धारावी के निवासियों सर्वेक्षण का भारी विरोध किया था। हालांकि, बाद से सर्वेक्षण में तेजी आई है और एक वर्ष में 63,000 झोपड़ियों का सर्वेक्षण पूरा किया गया तथा 89 हजार झोपड़ियों को नंबर दिए गए हैं। अब सर्वेक्षण कार्य तेज हो गया है और डीआरपी की योजना अगले कुछ दिनों में सर्वेक्षण पूरा करने की है। जबकि धारावी में कई झुग्गीवासी सर्वेक्षण के प्रति अभी भी उदासीन हैं और दस्तावेज जमा नहीं कर रहे हैं। चूंकि अपील के बावजूद ऐसे झोपड़ी मालिक आगे नहीं आ रहे हैं, इसलिए अब इन झोपड़ी मालिकों को अपने दस्तावेज जमा करने के लिए समय सीमा दे दी गई है। डीआरपी ने हाल ही में इस संबंध में एक सार्वजनिक बयान जारी किया है। बयान के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया है कि दस्तावेज जमा करने की समय सीमा 15 अप्रैल, 2025 तक बढ़ा दी गई है, तथा जिन लोगों ने अपने दस्तावेज जमा नहीं किए हैं, उनसे आग्रह किया गया है कि वे आगे आएं और सर्वेक्षण में भाग लें। हालांकि डीआरपी ने पहले चेतावनी दी थी कि जो लोग सर्वेक्षण में भाग नहीं लेंगे, उन्हें पुनर्वास योजना के तहत आवास लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। लेकिन स्पष्ट समय सीमा बताने के बाद भी हालिया बयान में पहले दी गई चेतावनी का कोई उल्लेख नहीं है।

15 अप्रैल तक की डेडलाइन घोषित किए जाने से धारावी के निवासी असमंजस में हैं। क्योंकि इसमें दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि स्पष्ट रूप से बताई गई है। इसलिए, धारावी बचाओ आंदोलन ने अब सवाल उठाया है कि क्या जो झुग्गीवासी समय सीमा के भीतर दस्तावेज जमा नहीं कर पाएंगे, उन्हें उनके घरों से वंचित कर दिया जाएगा? लोगों का कहना है कि हम धारावी के पुनर्विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन हमारी कुछ मांगें हैं, हम मांग करते हैं कि उन्हें पूरा किया जाए और उसके बाद ही पुनर्विकास को पटरी पर लाया जाए।

चाय की दुकान में लगी आग, झुलसकर एक व्यक्ति की मौत

पुणे। पुणे के धनकवाड़ी इलाके में रविवार को चाय की एक दुकान में आग लगने से वहां काम करने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चाय की दुकान पर व्यक्ति का पहला ही दिन था। अधिकारियों ने बताया कि घटना शाम करीब सवा चार बजे हुई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक एलपीजी सिलेंडर से रिसाव के कारण आग लगी होगी। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, दुकान में आग लगने के समय एक नया कर्मचारी दूध गर्म कर रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि आज (रविवार को) ही काम पर आया कर्मचारी अंदर फंस गया और बेहद बुरी तरह झुलस गया। दमकल कर्मियों ने उसे बचाया और अस्पताल पहुंचाया लेकिन वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विस्फोट शाम करीब चार बजे हुआ जब दुकान में कर्मचारी चाय बना रहे थे। इससे ग्राहक और अन्य कर्मचारी तुरंत बाहर भाग गए। हालाँकि, संतोष हेगड़े दुकान में ही फंस गए। इस दुर्घटना में एक युवा श्रमिक संतोष हेगड़े (उम्र 20) की दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गई। विस्फोट के बाद आग लग गई और लपटें दो पड़ोसी दुकानों तक भी फैल गईं, जिससे कुछ नुकसान हुआ।

कुणाल कामरा को देश विरोधी संगठनों से 4 करोड़ मिले : निरुपम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना के प्रमुख नेता एवं उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित देश की कई नामी गिरामी हस्तियों खासकर राजनीतिज्ञों के खिलाफ व्यंगात्मक गीत लिखने व सार्वजनिक मंचों पर उन गीतों को गा कर विवाद मोल लेने वाले स्टैंडिंग कॉमेडियन कुणाल कामरा पर शिवसेना के प्रवक्ता एवं पूर्व सांसद संजय निरुपम ने बड़ा आरोप लगाया है। संजय निरुपम का आरोप है कि व्यंग्यात्मक गीतों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक का उपहास उड़ाने वाले कामरा को डिप्टी सीएम शिंदे के उपहास और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने के बदले विदेशों से 4 करोड़ रुपए मिले हैं। इसे एक अंतरराष्ट्रीय साजिश बताते हुए निरुपम ने दावा किया है कि कामरा को दान देने वालों में अमेरिका की फोर्ड फाउंडेशन भी शामिल है, जिस पर देश विरोधी संगठनों को फंडिंग करने का आरोप है।

कनाडा से मिली निधि की जांच हो

शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने कहा कि कुणाल कामरा ने 'हम होंगे कंगाल' नामक व्यंग्यात्मक गीत के माध्यम से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि धूमिल करने का प्रयास किया है। कनाडा में भारत विरोधी संगठन सक्रिय हैं। इसलिए वहां से कामरा को मिली निधि की जांच होनी चाहिए। निरुपम ने आगे कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफसीआरए) की धारा 3 के तहत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, पत्रकार, कॉलमनिस्ट, कार्टूनिस्ट, संपादक, मीडिया ब्रॉडकास्ट कंपनियां, यूट्यूबर्स आदि को विदेशी निधि स्वीकार करने पर प्रतिबंध है। इसलिए कामरा ने विदेशी मुद्रा अधिनियम का उल्लंघन किया है। इसके चलते कामरा पर देशद्रोह का भी मामला दर्ज होना चाहिए, ऐसा निरुपम ने कहा। व्यंग्यात्मक गीत बनाने के बाद कामरा तमिलनाडु में छिप गया है, लेकिन उसे पुलिस कार्रवाई का सामना करना ही पड़ेगा। कानून से कोई नहीं बच सकता, ऐसा चेतावनी देते हुए निरुपम ने कहा कि कामरा के पीछे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना उबाठा का हाथ है और यह बात उबाठा के प्रवक्ता एवं सांसद संजय राऊत की स्वीकारोक्ति से स्पष्ट हो गई है।

संजय निरुपम ने लगाया गंभीर आरोप

मुंबई में आयोजित एक पत्रकार परिषद में संजय निरुपम ने कहा कि कामरा अपने यूट्यूब पर प्रसारित किए गए शो में भारत, सर्वोच्च न्यायालय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और शिवसेना जैसे प्रमुख राजनीतिक दल के नेता एकनाथ शिंदे की बदनामी करते रहे हैं। इस शो के लिए कामरा को विदेशों से भारी मात्रा में फंडिंग प्राप्त होती है। अब तक कामरा को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, मध्य पूर्व के सऊदी अरब और कतर जैसे देशों से 4 करोड़ से अधिक की विदेशी निधि मिली है।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने विशेष तौर पर ध्यान आकर्षित करते हुए याद दिलाया कि कामरा को पैसा देने वालों में एक विशेष समुदाय के दानदाताओं की संख्या अधिक है। उन्होंने संदेह जताया कि इन दानदाताओं के लिए मौलानाओं द्वारा फतवा जारी किया गया था।

मोदी सरकार में किसी के साथ नहीं भेदभाव: एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुणे की अपनी यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए प्रमुख राजनीतिक चिंताओं को संबोधित किया। अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर आरक्षण खत्म करने, संवैधानिक में बदलाव और मुस्लिम समुदाय को खतरे के बारे में डर फैलाकर लोकसभा चुनाव में जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को लाभ मिला क्या वे केवल हिंदू हैं? नहीं, सभी धर्मों के लोग इसमें शामिल हैं। और यही बात विपक्ष को परेशान कर रही है। उन्होंने ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि जो लोग उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, उन्हें परिणाम भुगतने चाहिए। उनकी टिप्पणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और महाराष्ट्र के सांस्कृतिक प्रतीकों के सम्मान को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच आई है।

ईद से पहले मुस्लिम समुदाय को ईदी के तौर पर 'सौगात-ए-मोदी' किट बांटने को लेकर विपक्ष की आलोचना पर डिप्टी सीएम शिंदे ने निशाना साधा। उन्होंने कहा ये वही लोग हैं जिन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान फेक नैरेटिव फैलाया था कि आरक्षण खत्म हो जाएगा, संविधान बदल दिया जाएगा। जिन लोगों ने मुसलमानों के लिए डर पैदा किया, सब कुछ किया, संविधान खतरे में है ऐसा कहा, अब वही लोग पीएम मोदी पर आरोप लगा रहे हैं।

शिवसेना प्रमुख ने कहा कि पीएम मोदी ने 35 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देते हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

फिर कांपी धरती

शुक्रवार को म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफटॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे। दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं। मांडले को राजधानी से जोड़ने वाली सड़कों में चौड़ी दरारें देखी गई हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे समेत जर्मनी व चीन की भूकंप पर नजर रखने वाली संस्थाएं भारी जन-धन के नुकसान की आशंका जता रही हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक भूकंप का केंद्र धरती से दस किलोमीटर नीचे होना बता रहे हैं। खबरें हैं कि म्यांमार की राजधानी नेपिडो में भी काफी क्षति हुई है। लोग भूकंप के ऑफ्टर शॉक के भय से खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। वहीं म्यांमार व थाईलैंड के अलावा इस भूकंप के झटके दक्षिण पश्चिम चीन के यून्नान प्रांत में महसूस किए गए। हालांकि, थाईलैंड में बड़े भूकंपों का इतिहास नहीं रहा है, लेकिन म्यांमार के भूकंप फॉल्ट लाइन पर होने के कारण भूकंप पहले भी आते रहे हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार वर्ष 1930 और 1956 के बीच देश के मध्य से गुजरने वाले सागैंग फॉल्ट के पास रिक्टर स्केल पर सात तीव्रता के छह भूकंप आ चुके हैं। निस्संदेह, पड़ोसी देश म्यांमार में आया भीषण भूकंप भारत के लिये भी चेतावनी है। देश में भूकंपरोधी निर्माण अनिवार्य करने और आपदा-राहत तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। सरकारी प्रयासों के अलावा लोगों को जागरूक करना भी जरूरी है।

पारंपरिक स्रोतों का संरक्षण और प्रबंधन जरूरी

- पंकज चतुर्वेदी

यह कैसी विडंबना है कि जिस शहर के बीच से सदानीरा यमुना जैसी नदी लगभग 27 किलोमीटर बहती हो, वही हर साल चैत बीतते ही पानी की किल्लत के लिए कुख्यात हो जाता है। दिल्ली की पिछली सरकार अपने जल स्रोतों की परवाह साल भर नहीं करती थी और जब पानी के लिए आम लोग हलकान होते हैं, तो हरियाणा पर आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लेती थी। यह पिछले आठ सालों से हर बार हो रहा था। जब दिल्ली में यमुना लबालब होती है, तो यहां के नाले और कारखाने उसमें इतना जहर घोल देते हैं कि नदी सारे रास्ते हांफती रहती है। और जब पानी का संकट खड़ा होता है, तो तभी नदी की याद आती है।

यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे-तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं।

राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना-हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। दोनों नदियां अब कूड़ा ढोने का रास्ता बनकर रह गई हैं।

गुरुग्राम में जरूरत की तुलना में 105 एमएलडी कम पानी की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली में केवल यमुना ही नहीं, बल्कि 983 तालाब, झील और जोहड़ भी हैं। जल संसाधन मंत्रालय की गणना के अनुसार, इनमें से किसी को भी प्यास बुझाने के लायक नहीं माना जाता। दिल्ली, जो गंगा और भाखड़ा से सैकड़ों किलोमीटर दूर है, पानी मंगवाती है, लेकिन अपने ही तालाबों को इस तरह से संरक्षित नहीं करती कि वे बरसात का पानी जमा कर सकें। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन-चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है। तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह अस्वाभाविक-सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सन् साठ आते-आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है कि न केवल शहर का मौसम बदल गया है, बल्कि लोग बूंद-बूंद पानी को भी तरस रहे हैं। हैदराबाद और चेन्नई में भी जैसे ही विदेशी कंपनियां आना शुरू हुईं और आबादी बढ़ने के साथ मकान की जरूरत बढ़ी, तालाब-नदियों को ही समेटा गया और जल संकट को स्वयं आमंत्रित कर लिया। देश के 10 में से सात महानगरों में भूजल स्तर अब खतरनाक स्तर पर है और अब उसे और उलीचा नहीं जा सकता। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की एक रिपोर्ट चेता चुकी है कि जब भारत आजादी के सौ साल मनाएगा तब 30 शहर जलहीन की सीमा तक सूख जाएंगे। इनमें महानगर और राजधानियां तो हैं ही, इंदौर, बठिंडा और कोयंबटूर जैसे शहर भी हैं। यह कड़वा सच है कि जलवायु परिवर्तन के चलते चरम मौसम ने जल-चक्र को गड़बड़ाया है, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की तरफ तेज पलायन, अनियोजित शहरीकरण, कम बरसात, अधिक गर्मी, उथले जलस्रोतों में अधिक वाष्पीकरण और जल का खराब प्रबंधन– ये सभी ऐसे कारण हैं जो जल संकट के लिए प्रकृति से अधिक इंसान को जिम्मेदार ठहराते हैं। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को सहेजने की रही है, जिसमें पारंपरिक जलस्रोतों जैसे तालाब, कुएं और बावड़ियों का संरक्षण शामिल है। आज, अनियोजित शहरीकरण और जल प्रबंधन की कमी के कारण जल संकट गहरा गया है। भारत में औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश होती है, लेकिन हम उसका केवल 15 प्रतिशत ही संचित कर पाते हैं, जबकि शेष पानी नालियों और नदियों के माध्यम से समुद्र में बहकर व्यर्थ चला जाता है। प्रकृति ने पानी को एक चक्र के रूप में दिया है, और इस चक्र को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। यदि हम पुराने जलस्रोतों की स्थिति सुधारें और जल का सही प्रबंधन करें, तो पानी की कमी का समाधान किया जा सकता है। भूजल पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं हो सकती, इसलिए नदी-तालाबों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में लौटाना और उनका संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि पानी की कमी से समाज का कोई वर्ग प्रभावित न हो।

जीवन मंत्र

व्यक्ति के जीवन को संवारने और बिगाड़ने वाले कारक

एक आम आदमी अपने जीवन का अधिकांश समय दो स्थानों पर बिताता है— घर और दफ्तर। व्यक्ति की संगति का उसके विचारों और जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए सही वातावरण का चयन करना आवश्यक होता है।

आचार्य प्रशांत के अनुसार, व्यक्ति के विवाह और संगति का चुनाव उसके जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विचार करना आवश्यक है कि आप किसके साथ अपना जीवन बिता रहे हैं। चाहे विवाह के बंधन में बंधे हों या अविवाहित जीवन व्यतीत कर रहे हों, यह ध्यान रखना चाहिए कि आपके साथ रहने वाला व्यक्ति आपके जीवन को किस दिशा में प्रभावित कर सकता है। छोटी-छोटी बातें जैसे—आपके कानों में किसके शब्द गूंजेंगे या आपके आसपास कौन रहेगा—ये बातें आपके जीवन को संवार भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। दफ्तर का माहौल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दिन के 8-10 घंटे आप किन लोगों के साथ बिता रहे हैं? आपका बॉस कैसा है? आपकी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है? ये सभी बातें आपके करियर और मानसिक स्थिति पर प्रभाव डालती हैं। गलत संगति या अनुचित वातावरण में रहने से व्यक्ति धीरे-धीरे अपने लक्ष्य से भटक सकता है।

आचार्य प्रशांत यह भी कहते हैं कि व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देना चाहिए—वह क्या देख रहा है, क्या सुन रहा है, क्या खा-पी रहा है, किस दिशा में कार्य कर रहा है, और उसकी प्रेरणा के स्रोत क्या हैं। हर छोटी चीज का हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए हर निर्णय सोच-समझकर लेना चाहिए।

अगर व्यक्ति शादी और नौकरी के चुनाव में सावधानी बरतता है, तो वह जीवन में सफल और तनावमुक्त रह सकता है। इन दो प्रमुख फैसलों को सही तरीके से लेने पर व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक और सुखमय बना सकता है।

शख्सियत आनंदी गोपाल जोशी

डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला

आनंदी गोपाल जोशी डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला थीं। ऐसे युग में जब महिलाओं की शिक्षा कठिन थी, तब डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने के लिए विदेश जाना अन्य महिलाओं के लिए एक उदाहरण था। आनंदी गोपाल जोशी का व्यक्तित्व महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत था। उन्होंने 1886 में उनके सपने को साकार किया।

जब उन्होंने डॉक्टर बनने का फैसला किया, तो उनके समाज में इस बात की बहुत आलोचना हुई कि एक विवाहित हिंदू महिला को चिकित्सा का अध्ययन करने के लिए विदेश (पेंसिल्वेनिया) जाना चाहिए। आनंदी गोपाल जोशी का जन्म 31 मार्च 1865 को महाराष्ट्र के कल्याण में हुआ था।

आनंदी की उल्लेखनीय यात्रा भारत के महाराष्ट्र में शुरू हुई, जहां उनकी शादी नौ साल की उम्र में एक प्रगतिशील समाज सुधारक गोपालराव जोशी से हुई, जिन्होंने उनकी शिक्षा का समर्थन किया।

अपने पति से प्रोत्साहित होकर, आनंदी ने उन सामाजिक मानदंडों के बावजूद अपनी शिक्षा जारी रखी, जो महिलाओं की स्कूली शिक्षा तक पहुंच को प्रतिबंधित करते थे। 1880 में, पुरुष-प्रधान क्षेत्र में सफल होने की अपनी क्षमता के बारे में कई चुनौतियों और संदेह का सामना करने के बावजूद, आनंदी ने चिकित्सा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा की। उन्होंने पेनसिल्वेनिया के वुमन मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया, जहां उन्होंने असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया।

1886 में, आनंदी ने अमेरिकी विश्वविद्यालय से मेडिकल डिग्री हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया। उनकी उपलब्धि को व्यापक मान्यता मिली और पूरे भारत में महिलाओं को चिकित्सा में उच्च शिक्षा और करियर बनाने के लिए प्रेरणा मिली। दुखद बात यह है कि आनंदी की अभूतपूर्व यात्रा तब अधूरी रह गई जब वह मेडिकल की डिग्री हासिल करने के कुछ ही महीनों बाद 21 साल की छोटी उम्र में तपेदिक से पीड़ित हो गईं। उनकी असामयिक मृत्यु भारतीय चिकित्सा समुदाय के लिए एक गहरी क्षति थी और महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने में आने वाली चुनौतियों की याद दिलाती थी।

अपने छोटे जीवन के बावजूद, आनंदी गोपाल जोशी की विरासत भारत और दुनिया भर में महिलाओं की पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है।

जीवन ऊर्जा

सर आइजैक न्यूटन : निधन 31 मार्च 1727 — देहावसान

सच तो हमेशा सादगी में बसता, बनावटीपन और उलझन में नहीं

सर आइजैक न्यूटन इंग्लैंड के एक वैज्ञानिक थे। साथ ही में महान गणितज्ञ, भौतिक वैज्ञानिक, ज्योतिष एवं दार्शनिक भी थे। न्यूटन का जन्म, वूलस्थोर्पे बाय कोलस्तेरवर्थ लिंकनशायर, जर्मनी, में 4 जनवरी 1643 को हुआ था। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण और गति के नियमों की खोज की और कैलकुलस का आविष्कार किया । मार्च 1727 में न्यूटन ने अपने पेट में गंभीर दर्द का अनुभव किया और बेहोश हो गए फिर अगले दिन 31 मार्च 1727 को 84 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

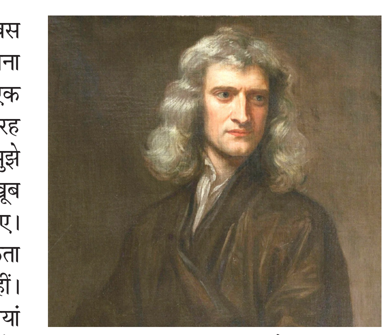

जितना हम जानते हैं वह बस एक बूंद जितना है और जितना हम नहीं जानते हैं वह एक महासागर जितना है। मैं सबकी तरह साधारण ही हूं, लेकिन मेरे प्रयोगों ने मुझे असाधारण बना दिया। हमने दीवारे तो खूब बनायीं है, लेकिन पर्याप्त पूल नहीं बनाए। ब्रह्मांड के पिंडों की गणना तो कर सकता हूं, लेकिन इंसानों के पागलपन की नहीं। उत्थान के बाद पतन भी संभव है। गलतियां कला में नहीं, बल्कि कलाकार में होती है। यदि मैंने लोगों की कुछ भी सेवा की है, तो यह मेरी सोच के कारण ही संभव हो पाया है। मैं भी साधारण ही हूं, लेकिन मेरी सफलता का राज कोई जादू नहीं, बल्कि मेरा निरंतर अभ्यास और भरपूर कोशिश ही है। इतिहास में बिना साहसिक निर्णय के कोई भी खोज नहीं हुई। कोई चीज़ तब तक स्थिर या गतिशील अवस्था में बनी रहती हैं, जब तक कि कोई बाहरी बल न लगाया जाए। सच तो हमेशा सादगी में बसता है, बनावटीपन और उलझन में नहीं। यदि मैं दूसरों की तुलना में खुद को आगे पाता हूं, तो ऐसा में महान दिग्गजों के कंधों के सहारे पर ही कर पाया हूं। मैं नहीं जानता हूं कि मै इस दुनिया में मेरा क्या रोल है, लेकिन मेरी नजर में मै समुद्र के किनारे खेल रहे बच्चे के समान हूं, जो चिकने पत्थर और सीप खोजने में व्यस्त है, जबकि मेरे सामने सत्य का अबूझ अथाह महासागर फैला हुआ है। मैं कड़ी मेहनत के बाद ही खुद को ऐसा बना पाया हूं।

हर क्रिया के बराबर और विपरीत एक प्रतिकिया जरूर होती है, जो जितना ऊपर जाता है, उसका उतना नीचे आना भी स्वाभाविक है। मैं आकाशीय पिंडों की गति की गणना कर सकता हूं, लेकिन लोगों के पागलपन की गणना नहीं कर सकता। बिना दुश्मन बनाए बात बनाने की आदत ही चतुराई है। सत्य हमेशा सरलता में पाया जाता है, न कि चीजों की बहुलता और भ्रम में। एक आदमी झूठी चीजों की कल्पना कर सकता है, लेकिन वह केवल वही समझ सकता है,जो सच है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

अवसरों की प्रचुरता और कर्मशीलता का महत्व

ज्ञान, आनंद और प्रसिद्धि के शिखर तक वही लोग पहुंचे जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों को बहाने के रूप में नहीं लिया। उन्हें प्रभु की न्यायप्रियता और निर्णयों पर संदेह नहीं था। कठिन समय में उन्होंने भाग्य को कोसने के बजाय निरंतर कर्मरत रहने को प्राथमिकता दी।

कई बार प्रतिकूल घटनाओं से क्षुब्ध होकर हमारी मंदबुद्धि प्रभु की योजनाओं और यहां तक कि उनके अस्तित्व पर भी संदेह करने लगती है। कुछ लोग तो अपना इष्ट तक बदल देते हैं, जबकि प्रभु को अपने भक्तों पर अपार स्नेह होता है। वे उन्हें कभी गिरने नहीं देते, बल्कि जब एक द्वार बंद होता है तो उनके लिए दूसरा, और भी बेहतर द्वार खोल देते हैं।

यदि हमारा मन अतीत की चिंताओं या भविष्य की कल्पनाओं में उलझा रहेगा, तो हमें अपने वर्तमान अवसर दिखाई नहीं देंगे।

अवसर उन्हीं को दिखते हैं, जिनका ध्यान आज के कार्य पर केंद्रित होता है। आज के समय में अवसरों की जितनी प्रचुरता है, उतनी अतीत में कभी नहीं थी।

अभाव केवल उन कर्मठ, परिश्रमी और निष्ठावान लोगों का है, जो अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर रह सकें। प्रत्येक सुबह सूर्य की नई किरणों के साथ हमें बेहतर बनने का अवसर देती है। मनुष्य जीवन स्वयं में एक महान अवसर है, जिसे सुधारने के लिए प्रभु ने अपार क्षमताएं प्रदान की हैं।

हमें अपने संकल्प, इच्छाशक्ति और सत्कर्मों को कमजोर नहीं होने देना चाहिए। लक्ष्य के अनुरूप सुविचार और सूझबूझ से अवसरों का लाभ उठाना चाहिए।कोई भी आवश्यक कार्य टालें नहीं, क्योंकि प्रत्येक दिन अपने आप में विशिष्ट और महत्वपूर्ण होता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

बिना सत्संग विवेक ना होई राम कृपा बिन सुलभनसोई

बुरी संगति हमारे व्यवहार को भी अशुद्ध कर देती हैहम कितना भी भजन कर लेध्यान कर लेलेकिन हमारा संग गलत है तो हमारे द्वारा पढ़े गये ग्रंथ हमारे द्वारा अर्जित ज्ञान और हमारे द्वारा सुना हुआ सत्संग कुछ भी आचरण में नहीं उतर पायेगा साधना के जगत में संग का अति विशेष महत्व है व्यवहार की शुद्धि के लिए महापुरुषों का संग अवश्य होना चाहिए आपको धनवान होना है तो धनी लोगों का संग करेराजनीति में जाना है तो राजनीतिक लोगों का संग करें पर भक्त बनना है तो संतोंमहापुरुषों और वैष्णवों का संग अवश्य करना पड़ेगा दुर्जन की एक क्षण की संगति भी बडीघातक होती हैवृत्ति और प्रवृत्ति तो संत संगति से ही सुधरती है। संग का ही प्रभाव था कि लूटपाट करने वाला रामायण लिखने वाले वाल्मीकि जी बन गए। भगवान बुद्ध के संग ने अंगुलिमाल जैसे डाकू का भी हृदय परिवर्तन कर दिया।

सक्सेस मंत्र

हर सफल व्यक्ति समय की इज्जत करता है

सफल लोगों को देखकर अक्सर यह ख्याल कई लोगो के मन में आता होगा कि आखिर ये लोग जीवन में ऐसा क्या करते हैं, जिसकी वजह से यह अपने जीवन में इतनी सफलता हासिल कर पाए हैं। अगर आप भी इन लोगों की लिस्ट में शामिल हैं तो आपको बता दें, किसी व्यक्ति को कामयाबी यूं ही हासिल नहीं होती, इसके लिए उसे कुछ नियमों का सख्ती से पालन करना होता है। इन नियमों को अपनी आदत बनाने से ही व्यक्ति कामयाबी की ऊंचाइयों को छू सकता है। आइए जानते हैं सफलता हासिल करने के ऐसे ही कुछ नियमों के बारे में। हर सफल व्यक्ति समय की इज्जत करता है। किसी भी काम में लेटलतीफी उसके नेचर में नहीं होती है। वह इस बात को बखूबी जानता है कि समय की कद्र नहीं करने पर व्यक्ति को हमेशा नुकसान उठाना पड़ता है। देरी से किया गया काम कामयाबी की राह को मुश्किल बना सकता है। ऐसे में अगर आप भी जीवन में सफलता हासिल करना चाहते हैं तो हमेशा समय के पाबंद रहना सीखें। आत्मविश्वास की कमी होने पर व्यक्ति कोई भी काम अच्छी तरह नहीं कर सकता है। खुद को सफल बनाने के लिए आपके भीतर आत्मविश्वास का मजबूत होना बेहद जरूरी है। सफल लोगों की तरह खुद को किसी से कम न समझें, बल्कि खुद को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। अपनी गलतियों को स्वीकार करके उनसे सबक लेना कामयाबी की तरफ बढ़ाया गया एक कदम है। ध्यान रखें, गलतियां करने से नई सीख मिलती है ताकि उस गलती को दोबारा करने से बचा जा सके। ऐसा करने से व्यक्ति अपनी कामयाबी का रास्ता जल्दी तय कर लेता है।

सफल व्यक्ति कभी भी सही मौके का इंतजार नहीं करते हैं बल्कि सफल होने के लिए खुद से मौका तलाश करते हैं। अगर आप भी खुद को सफल देखना चाहते हैं तो जो काम करना है, उसकी योजना बनाकर उस पर काम करना शुरू कर दें, इस बात का इंतजार न करें कि अच्छा समय आएगा तब यह काम करेंगे। आपकी यह सोच आपके हाथ से समय निकाल देगी और आप बाकी लोगों से पिछड़ते चले जाएंगे। हर सफल व्यक्ति शरीर और मस्तिष्क को सेहतमंद बनाए रखने के लिए व्यायाम को अपने रूटिन में जरूर शामिल रखता है। शारीरिक तौर पर मजबूत होने पर ही व्यक्ति अपने लक्ष्यों को उत्साह के साथ पूरा कर पाता है।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार)।

चैती छठ 2025: जानें नहाय-खाय, खरना और अर्घ्य की तारीखें

लोक आस्था का महापर्व चैती छठ सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है। यह चार दिनों तक चलने वाला व्रत उत्तर भारत, खासकर बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

चैती छठ पूजा 2025 का कैलेंडर

1 अप्रैल 2025 (मंगलवार) – नहाय-खाय

व्रती इस दिन पवित्र नदी या तालाब में स्नान कर शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। इस दिन कद्दू की सब्जी, चने की दाल और चावल विशेष रूप से बनाए जाते हैं।

2 अप्रैल 2025 (बुधवार) – खरना

व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं और शाम को सूर्यदेव की पूजा के बाद गुड़ की खीर, रोटी और फल का सेवन करते हैं। इसके बाद उनका 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

3 अप्रैल 2025 (गुरुवार) – संध्या अर्घ्य

शाम के समय व्रती नदी या तालाब के किनारे जाकर सूर्यदेव को पहला अर्घ्य अर्पित करते हैं। अर्घ्य में फल, फूल, ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद शामिल होते हैं।

4 अप्रैल 2025 (शुक्रवार) – उषा अर्घ्य व पारण

इस दिन व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करते हैं और प्रसाद का वितरण किया जाता है।

अर्घ्य पूजन मंत्र

ॐ सूर्याय नमः, ॐ आदित्याय नमः,
ॐ नमो भास्कराय नमः। अर्घ्य समर्पयामि॥
एहि सूर्य! सहस्त्रांशो! तेजो राशे! जगत्पते!
अनुकम्प्यं मां भक्त्या गृहाणार्घ्य दिवाकर!

चैती छठ का यह पावन पर्व सूर्य उपासना, आत्मशुद्धि और संकल्प का प्रतीक है।

माँ दुर्गा के नौ रूप: जीवन के विभिन्न पहलुओं की प्रदान करते हैं शिक्षा

भारत में नवरात्रि का पर्व विशेष रूप से शक्ति पूजा के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से माता दुर्गा की उपासना के लिए समर्पित होता है, जो शक्ति, साहस और निडरता की प्रतीक हैं। नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। इन नौ रूपों को ऱनौ दुर्गाएँऱ या ऱनौ रूपऱ कहा जाता है, जो प्रत्येक दिन के लिए निर्धारित होते हैं। हर रूप में माँ की एक विशेषता और गुण होते हैं, जो भक्तों के जीवन में समृद्धि, शक्ति और सुख की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

माँ दुर्गा के ये नौ रूप जीवन के विभिन्न पहलुओं की शिक्षा भी प्रदान करते हैं। प्रत्येक रूप में छिपी हुई शक्ति, साहस, तपस्या, और मातृत्व की गहरी शिक्षा हमें सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन देती है। नवरात्रि का यह पर्व हमें शुद्धता, तप, साहस और विश्वास का संदेश देता है, जिससे हम अपने जीवन में हर मुश्किल का सामना कर सकें और आंतरिक शक्ति से भरपूर हो सकें। माँ दुर्गा के नौ रूपों का वर्णन इस प्रकार है-

शैलपुत्री

मां दुर्गा का पहला स्वरूप शैलपुत्री का है।

पर्वतराज हिमालय के यहां पुत्री के रूप में उत्पन्न होने के कारण इनको शैलपुत्री कहा गया। यह वृषभ पर आरूढ़ दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में पुष्प कमल धारण किए हुए हैं। यह नव दुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं।

ब्रह्मचारिणी

मां दुर्गा की नौ शक्तियों में से दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्मा शब्द का अर्थ तपस्या से है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ हुआ तप की चारिणी यानि तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यंत भव्य है। इसके बाएं हाथ में कमण्डल और दाएं हाथ में जप की माला रहती है।

चंद्रघण्टा

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघण्टा है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन व आराधना की जाती है। इनका स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र है।

कूष्माण्डा

माता दुर्गा के चौथे स्वरूप का नाम कूष्माण्डा है। अपनी मंद, हल्की हंसी द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कूष्माण्डा पड़ा।

स्कन्दमाता

मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता कहा जाता है। ये भगवान स्कन्द 'कुमार कार्तिकेय' के नाम से भी जाने जाते हैं। इन्हीं भगवान स्कन्द अर्थात कार्तिकेय की माता होने के कारण मां दुर्गा के इस पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है।

कात्यायनी

मां दुर्गा के छठे स्वरूप को कात्यायनी कहते हैं। कात्यायनी महर्षि कात्यायन की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर उनकी इच्छानुसार उनके यहां पुत्री के रूप में पैदा हुई थीं। महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की थी इसलिए ये कात्यायनी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। मां कात्यायनी अमोद्य फलदायिनी हैं।

कालरात्रि

मां दुर्गा के सातवें स्वरूप को कालरात्रि कहा जाता है। मां कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत भयानक है लेकिन ये सदैव शुभ फल देने वाली मानी जाती हैं। इसलिए इन्हें शुभङ्करी भी कहा जाता है। दुर्गा पूजा के सप्तम दिन मां कालरात्रि की पूजा का विधान है।

महागौरी

मां दुर्गा के आठवें स्वरूप का नाम महागौरी है। दुर्गा पूजा के आठवें दिन महागौरी की उपासना का विधान है। इनकी शक्ति अमोघ और फलदायिनी है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी कलुष धुल जाते हैं।

सिद्धिदात्री

मां दुर्गा की नौवीं शक्ति को सिद्धिदात्री कहते हैं। जैसा कि नाम से प्रकट है ये सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करने वाली हैं।

नवरात्रि का दूसरा दिन: मां ब्रह्मचारिणी की व्रत कथा से पूरी होंगी सभी मनोकामनाएं

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की उपासना की जाती है। आपको बता दें कि 'ब्रह्म' का अर्थ तपस्या है और 'चारिणी' का अर्थ आचरण करने वाली यानी तप का आचरण करने वाली देवी। मां का यह स्वरूप श्वेत वर्ण का है। मां ब्रह्मचारिणी की अराधना करने वाले व्यक्ति को लंबी आयु और सुख-सौभाग्य के साथ आलस्य, क्रोध, स्वार्थ और ईर्ष्या जैसी दुष्प्रवृतियां दूर होती है. वहीं अगर आप नवरात्रि के दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा अर्चना कर रहे हैं तो आपको ये व्रत कथा जरूर पढ़नी चाहिए। आइए जानते हैं इस व्रत कथा के बारे में

मां ब्रह्माचारिणी की कथा

पूर्वजन्म में ब्रह्मचारिणी देवी ने पर्वतों के राजा हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था। साथ ही नारदजी के उपदेश से भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात् ब्रह्मचारिणी नाम से जाना गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल-फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा- हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की, यह आप से ही संभव थी। आपकी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे। अब तपस्या छोड़कर घर लौट जाओ। जल्द ही आपके पिता आपको लेने आ रहे हैं। मां की कथा का सार यह है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्व सिद्धि प्राप्त होती है।

स्वास्थ्य के लिए वरदान है त्रिफला, कई बीमारियों में फायदेमंद

आयुर्वेद में त्रिफला को एक प्रभावी औषधि माना गया है, जो आंवला, हरड़ और बहेड़ा के संयोजन से बनता है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करने, प्रतिरक्षा प्रणाली बढ़ाने और कई बीमारियों के उपचार में कारगर है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

त्रिफला खासतौर पर कब्ज की समस्या को दूर करने में प्रभावी है। यह आंतों की सफाई करता है और पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है। शोध में पाया गया कि दो सप्ताह तक इसका सेवन करने से पाचन संबंधी दिक्कतों में सुधार देखा गया।

इम्यूनिटी को करता है मजबूत

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिफला में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं, जिससे संक्रमण से बचाव होता है और व्यक्ति स्वस्थ रहता है।

आंखों और बालों के लिए लाभकारी

त्रिफला आंखों की रोशनी बढ़ाने और नेत्र विकारों को कम करने में सहायक है। त्रिफला के पानी से आंखें धोने से जलन कम होती है और दृष्टि में सुधार आता है। वहीं, यह बालों के झड़ने को रोकने और त्वचा की चमक बढ़ाने में भी मदद करता है।

वजन घटाने और कैंसर से बचाव में सहायक

त्रिफला चयापचय को बढ़ाता है और वसा को तोड़ने में मदद करता है, जिससे वजन नियंत्रित रहता है। कुछ शोधों के अनुसार, इसमें कैंसर विरोधी गुण भी होते हैं, जो ट्यूमर कोशिकाओं की वृद्धि को रोक सकते हैं।

प्राचीन काल से हो रहा है इस्तेमाल

त्रिफला का उपयोग सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता रहा है। आधुनिक शोधों ने भी इसके स्वास्थ्य लाभों की पुष्टि की है, जिससे यह एक प्राकृतिक औषधि के रूप में लोकप्रिय बना हुआ है।

सेहत के लिए वरदान है जामुन की गुठली का चूर्ण, डायबिटीज से लेकर हार्ट हेल्थ तक फायदेमंद

आयुर्वेद में जामुन की गुठली (बीज) के चूर्ण को सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी माना गया है। यह पाचन तंत्र को मजबूत करने, शरीर को डिटॉक्स करने और कई बीमारियों से बचाव में सहायक है। 'चरक संहिता' सहित कई आयुर्वेदिक ग्रंथों में जामुन के विभिन्न भागों—गुठली, छाल, पत्ते और जड़—का औषधीय उपयोग बताया गया है।

जामुन की गुठली का चूर्ण शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे ब्लड शुगर नियंत्रण में रहता है। यह प्री-डायबिटीज वाले लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इसका नियमित सेवन डायबिटीज होने की संभावना को कम करता है।

इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, यह शरीर को डिटॉक्स करने में कारगर है, जिससे शरीर में जमा विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं।

जामुन के बीज में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं की रक्षा करते हैं और हार्ट हेल्थ को सुधारने में मददगार होते हैं। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण लिवर और हृदय की सूजन को कम कर सकते हैं।

इसका नियमित सेवन चयापचय (मेटाबॉलिज्म) को तेज करता है, जिससे वसा का तेजी से टूटना होता है और वजन नियंत्रण में रहता है। हालांकि जामुन के बीज का चूर्ण कई रोगों में फायदेमंद है, लेकिन इसके अधिक सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी और जलन की समस्या हो सकती है। इसलिए, आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श लेने के बाद ही इसका सेवन करना चाहिए।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृष — चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें।

मिथुन — विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी।

कर्क — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

सिंह — योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी।

कन्या — कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

तुला — बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है।

धनु — स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मकर — रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुंभ — विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन — मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा।

बुधग्रह दोष एवम निवारण

सौरमंडल में नवग्रह पाए जाते है। इन नवग्रहों में सात ग्रहों के अपने पिंड किन्तु राहू तथा केतु का कोई पिंड नहीं है। इन्हें छाया ग्रह माना गया है। इन नवग्रहों में एक ग्रह बुधग्रह है। यह सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। इसे ग्रहों में राजकुमार का पद प्राप्त है। यह वाणी, विद्या एवम बुद्धि का प्रतिक है। इसे नपुंसक ग्रह माना गया है। इसकी जाति शुद्र तत्व पृथ्वी तथा उतर दिशा का मालिक है। यह ग्रह मिथुन तथा कन्या राशि का स्वामी है। इस ग्रह का रंग हरा होता है ।यह एक बहुत ही सोम्य और सरल ग्रह है । इस ग्रह के अधिपति देवता गणेश जी माने जाते है।

पुराणों में इनके पिता का नाम चन्द्रमा तथा माता का नाम तारा है। ब्रह्माजी ने इनकी बुद्धि तेज होने के कारण इनका नाम बुध रखा। बुधग्रह कन्या राशि में

उच्च का तथा मीन राशि में नीच का होता है। इसका अधिकार कंधे व ग्रीवा पर रहता है। वृष,तुला तथा सिंह इसकी मित्र एवम कर्क इसकी शत्रु राशि है। शुक्र के साथ राजस तथा चन्द्रमा के साथ यह ग्रह शत्रुवत व्यवहार करता है। अपने भाव से सातवे भाव को पूर्ण दृष्टि से देखता है। राहु, शनि, मंगल एवम केतु के साथ अशुभ फल देता है।

प्रियंका जैन
9769994439

अश्लेषा, ज्येष्ठा और रेवती इनके नक्षत्र है। बुधग्रह व्यापार का भी कारक होता है। इसकी महादशा 17 वर्ष की होती है। जब बुधग्रह उच्च का होता है तब वह जातक को समाज में सम्मान प्राप्त कराता है। जिस व्यक्ति की राशी में बुध उच्च का होता है वह व्यक्ति कुशल सम्पादक प्रसिद्ध लेखक, कवि एवम सचिव या सलाहकार होता है। शास्त्रों के सम्बन्ध में तर्क करने की शक्ति रखता है। उस व्यक्ति में निरंतर कार्य करने की क्षमता होती है, परन्तु यदि बुधग्रह किसी व्यक्ति की राशी में नीच का हो तो व्यक्ति अपने भाई बन्धुओ द्वारा अपमानित किया जाता है। बुध अगर कुंडली में कमजोर हो तो पारिवारिक जीवन को प्रभावित करता है और जातक की शादी लेट होती है कभी कभी होती ही नहीं, शादी शुदा जिन्दगी में भी शारीरिक सुखो में कमी आती है पति और पत्नी भी आपस में एक दुसरे के सामने झूठ बोलते है व आपस में काफी मनमुटाव होता है कलेश चलता रहता है और कभी कभी तो सम्बन्ध भी विच्छेद हो जाते है । अगर किसी का वैवाहिक जीवन कलेशमय हो तो समझना की बुध ग्रह कुंडली में कमजोर है । बुध के मजबूत होने से धन धन्य की कमी नही रहती ।

नवादा में 51 लाख ठगी के मामले में दो गिरफ्तार,5 की हो रही तलाश

नवादा। बिहार के नवादा में साइबर पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में पटना से पकड़े गए आरोपियों ने कुल 51 लाख रुपये की ठगी की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वैशाली जिले के निकेश कुमार (21) और विपुल कुमार (22) के रूप में हुई है। ये दोनों 'एवीवा इन्वेस्टर इमर्जिंग मार्केट इक्विटी फंड' नाम की फर्जी कंपनी बनाकर लोगों को ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देते थे। पुलिस ने आरोपियों से 7 लाख 5 हजार 850 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा एक मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, तीन आधार कार्ड, दो पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। डीएसपी के अनुसार आरोपी फर्जी वेबसाइट के जरिए लोगों को झांसा देते थे। वे एक व्यक्ति से 2 से 5 लाख रुपये तक की ठगी करते थे। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जांच में कुछ और आरोपियों के नाम सामने आए हैं, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति या कंपनी पर भरोसा कर शेयर बाजार में निवेश न करें।

रामजी लाल सुमन की हत्या करने पर 25 लाख का इनाम, हिंदूवादी नेता की धमकी

लखनऊ। राणा सांगा पर बयान देकर विवादों में घिरे राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन अब एक नई मुश्किल से घिरते नजर आ रहे हैं। अब एक हिंदूवादी नेता मोहन चौहान ने उनकी हत्या की सुपारी दे दी है। बल्कि उन्होंने खुद सांसद रामजी लाल सुमन को गोली मारने की धमकी दी है। कहा कि यदि उनसे पहले कोई उनकी हत्या करता है तो वह उसे 25 लाख रुपये का इनाम देंगे। मोहन चौहान ने अपनी धमकी का वीडियो जारी किया है। यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मोहन चौहान हिंदूवादी नेता होने के साथ ही राष्ट्रीय स्वर्णपरिषद के प्रदेश अध्यक्ष हैं। अपने वीडियो में उन्होंने रामजी लाल सुमन को सीधे-सीधे धमकाते हुए कहा कि 'तूं जहां मिलेगा, वहीं गोली मारुंगा'। हाथरस में जवां थाना क्षेत्र के कोटा बहादुरपुर गांव में रहने वाले मोहन चौहान ने कहा कि समाजवादी पार्टी के गुंडे और माफिया छिप कर बैठे हैं। वहीं करणी सेना के कार्यकर्ताओं को लाठियां खानी पड़ी हैं। इसका उन्हें दुख है। लेकिन अब बहुत हो गया। उन्होंने सांसद रामजी लाल सुमन को ललकारते हुए कहा कि मैं खुद उन्हें गोली मारेंगे। इस बीच यदि कोई उनका साथ दे या फिर खुद जाकर सुमन की हत्या कर दे तो वह अपने संगठन की ओर से 25 लाख रुपये का इनाम देंगे। एक अन्य वीडियो में मोहन चौहान कहते नजर आ रहे हैं कि महाराणा सांगा महान वीर थे। शरीर पर 80 घावों के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ी। ऐसे में उनका अपमान वह किसी हाल में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसी के साथ उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति देश के स्वर्णिम इतिहास के साथ छेड़छाड़ करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राज्य सभा सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को सदन में विवादित बयान दिया था। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'मुसलमानों में बाबर का डीएनए है' बताना इनका तकिया कलाम हो गया है। लेकिन ये नहीं बताते कि हिंदुओं में किसका डीएनए है। उन्होंने सदन में पूछा कि बाबर को कौन लाया? खुद ही इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए सांगा ने ही बाबर को बुलाया था। इसी के साथ उन्होंने राणा सांगा को गद्दार बताया था।

योगी सरकार की सख्ती से यूपी में घटे 85 फीसदी तक अपराध

एजेंसी | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। 2017 से राज्य में डकैती, लूट, दंगा, हत्या, अपहरण और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में 85 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है। साथ ही माफिया और गुंडागर्दी पर शिकंजा कसा है।

प्रमुख अपराधों में भारी कमी

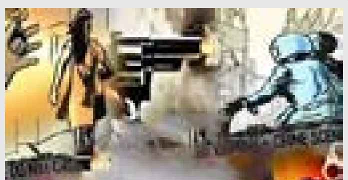

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार योगी सरकार के कार्यकाल में विभिन्न अपराधिक घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। डकैती की घटनाओं में 2016 की तुलना में 84 ।41 फीसदी कमी आई है। इसके अलावा लूट के मामले 77 ।43 फीसदी कम हुए हैं। इसी के साथ-साथ अपहरण, दहेज हत्या एवं बलात्कार की घटनाओं में भी कमी देखी गई है। इसके अलावा पुलिस की सक्रियता और सीसीटीवी सर्विलांस जैसी आधुनिक तकनीकों ने अपराधियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योगी सरकार ने प्रदेश के माफियाओं, गैंगस्टरों और भू-माफिया पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके तहत 142 अरब रुपये से अधिक की चल-अचल अवैध सम्पत्तियां जब्त की गई हैं। वहीं, 68 माफिया और उनके करीब डेढ़ हजार सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि 617 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 752 पर गैंगस्टर एक्ट लागू किया गया है।

योगी सरकार में उ प्र का हर नागरिक सुरक्षित

सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश न केवल विकास के मामले में आगे बढ़ा है, बल्कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी एक नई मिसाल कायम की है। पुलिस प्रशासन की सक्रियता, तकनीकी उन्नयन और सख्त कानूनों ने अपराधियों को मिट्टी में मिला दिया है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश का हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। यह सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

पुलिस का 5 घंटे चला धरपकड़ अभियान, 115 अभियुक्त गिरफ्तार

एजेंसी | फिरोजाबाद

जनपद पुलिस ने शनिवार की रात में पांच घंटे अभियान चलाकर 115 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त विभिन्न मुकदमों में वांछित हैं जो फरार चल रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा वारंटियों एनबीडब्ल्यू व एसआर केसों में वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध शनिवार की रात 12 ।00 बजे से रविवार की सुबह 05 ।00 बजे तक अभियान चलाया। इस अभियान के अन्तर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा कुल 115 एनबीडब्ल्यू अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। इनमें थाना उत्तर ने 5, थाना दक्षिण ने 3, थाना, थाना रामगढ़ ने 3, थाना रसूलपुर ने 11, थाना टूंडला ने 9, थाना नारखी ने 5, थाना पचोखरा ने 2, थाना रजाबली ने 7, थाना नगला सिंघी ने 3, थाना सिरसागंज ने 12, थाना नगला खंगर ने 3, थाना अराव ने 3, थाना नसीरपुर ने 5, थाना शिकोहाबाद ने 10, थाना मक्खनपुर ने 2, थाना खैरगढ़ ने 4, थाना जसराना ने 6, थाना फरिहा ने 2, थाना एका ने 8, थाना लाइनपार ने 3, थाना मटसेना ने 1 व बसई मोहम्मदपुर ने 8 अभियुक्त को पकड़ा है। इस प्रकार जनपदीय पुलिस टीम द्वारा मात्र 5 घण्टे में एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 115 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के अनुसार वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

अवैध माइंस के पास से 350 टन कोयला जब्त

रामगढ़। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र में अवैध माइंस का संचालन हो रहा था। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक ने कोयला तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की। खनन पदाधिकारी ने रविवार को बताया कि गोला थाना क्षेत्र के बढ़काजारा में चल रहे अवैध माइंस के पास से 350 टन कोयला जब्त किया गया है। अवैध कोयला कारोबार को लेकर माइनिंग विभाग ने छापेमारी की। छापेमारी में भैरवी (भेड़ा) नदी के किनारे सुरंग नुमा माइंस और ओपेन माइंस की तर्ज पर अवैध कोयला उत्खनन हो रहा था। उत्खनन वाली जगह से लगभग 350 टन कोयला जब्त किया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने लगाई फांसी, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

एजेंसी | कानपुर

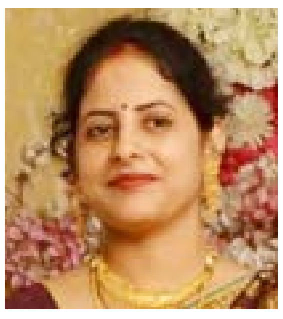

सेन पश्चिम थाना अंतर्गत एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में रविवार को छत पर लगे पंखे के कुंडे से फंदा डालकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष में हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के पिता मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि बेटी ऋचा की शादी साल 2022 में द्विवेदी नगर में रहने वाले दीपक उर्फ हिमांशु के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति पत्नी के बीच विवाद होता था। इसकी जानकारी बेटी ने दी थी। कई बार समझाने बुझाने के बाद मामला शांत हो जाता था लेकिन फिर से बेटी को ससुरालियों द्वारा परेशान किया जाता रहा। आगे उन्होंने बताया कि बेटी के गले पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं जिन्हें देखकर ऐसा लगता है कि उसने आत्महत्या नहीं बल्कि उसका गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को फंदे पर लटकाया गया है। घाटमपुर एसीपी रंजीत कुमार ने बताया कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मकान मालिक की बेटी से प्यार, उज्जैन में रचाई शादी

एजेंसी | चंदौली।

चंदौली से अजब शादी का मामला सामने आया है। यहां मकान मालिक और किरायेदार की बेटी को एक-दूजे से इश्क हो गया। इस बात की जानकारी होते ही दोनों के परिजनों उनके प्यार का विरोध किया, जिसके बाद दोनों ने भागकर उज्जैन में शादी कर ली। दोनों के भगाने का मामला पुलिस तक पहुंच गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों लड़कियों को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। चंदौली सदर कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला एक परिवार पिछले छह सालों से मुगलसराय थाना क्षेत्र के एक गांव में किराए के मकान में रह रहा था। इसी दौरान किराएदार और मकान मालिक की बेटी के बीच गहरी दोस्ती हो गई। इसके बाद देखते ही देखते दोनों की यह दोस्ती इश्क में बदल गई। दोनों के साथ अपना समय बिताने लगे। एक साथ खाते थे और घूमने भी एक ही साथ जाते थे। इसी बीच कुछ महीनों पहले दोनों के प्यार के बारे में उनके परिवार को पता चल गया।

18 अप्रैल को होनी थी शादी

जिसके बाद परिजन उनका कड़ा विरोध करने लगे। कुछ महीनों बाद किराएदार ने घर छोड़ दिया और वह अपनी बेटी के साथ कहीं और रहने लगे। हालांकि, इसके बाद भी दोनों लड़कियां चोरी-छिपे मिलना जारी रहा। हालत इतने ज्यादा बिगड़ गए थे कि दोनों के बीच तनाव पैदा हो गया था। इसके बाद किराएदार ने मामले को शांत कराने के लिए अपनी बेटी की शादी कहीं और तय कर दी, जो कि 18 अप्रैल को होनी थी।

उज्जैन से बरामद लड़कियां

परिजनों के फैसले के खिलाफ दोनों लड़कियां 22 मार्च को घर से भाग गई। इसके बाद दोनों के परिजनों ने थाने पहुंचकर लड़कियों के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की जानकारी होते ही पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। इस दौरान पुलिस ने लड़कियों के मोबाइल नंबर को ट्रेस किया तो पुलिस को उनकी लोकेशन मध्य प्रदेश के उज्जैन में मिली। इसके बाद पुलिस थाने की एक टीम उज्जैन के लिए रवाना हो गई। पुलिस ने दोनों लड़कियों को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। दो लड़कियों के भागकर शादी करने की बात पूरे इलाके में तेज से फैल गई है। सभी लोग इस बारे में चर्चा कर रहे हैं।

यूपी सरकार ने निलंबित IAS अभिषेक प्रकाश को भेजी चार्जशीट

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने निलंबित IAS अधिकारी अभिषेक प्रकाश को चार्जशीट थमा दी है। उन पर SAEL Solar P6 प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी से प्रोजेक्ट अप्रूवल के बदले 5 प्रतिशत कमीशन मांगने का आरोप है। इस मामले में सरकार ने 20 मार्च को उन्हें निलंबित कर दिया था। नियुक्ति विभाग ने अब उनसे इस मामले में जवाब मांगा है, जिसके आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी। दरअसल, निलंबित IAS अभिषेक प्रकाश इंवेस्ट यूपी के CEO के रूप में कार्यरत थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने SAEL Solar P6 प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी को उत्तर प्रदेश में सोलर सेल, सोलर पैनल और सोलर प्लांट के पुर्जे बनाने की फैक्ट्री स्थापित करने के लिए Letter of Comfort (LOC) जारी करने के एवज में कमीशन मांगा। कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत दत्ता ने 20 मार्च को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यूपी इंवेस्ट के तहत LOC के लिए आवेदन किया था, लेकिन कमीशन न देने के कारण उनकी फाइल को बार-बार टाला जा रहा था। शिकायत के अनुसार, अभिषेक प्रकाश ने विश्वजीत दत्ता को निकांत जैन नामक व्यक्ति से मिलने को कहा, जो इस डील के लिए बिचौलिया था।

कौन हैं अभिषेक प्रकाश?

अभिषेक प्रकाश 2006 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उनका जन्म 1982 में बिहार में हुआ था। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में सचिव, आईडीसी विभाग एवं इंवेस्ट यूपी के CEO पद पर कार्यरत थे। इससे पहले वह लखनऊ के डीएम रह चुके हैं और उनके कार्यकाल में सरोजनीनगर क्षेत्र में डिफेंस कॉरिडोर की जमीन का अधिग्रहण हुआ था। उन्होंने 2000 से 2004 के बीच IIT रुड़की से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन और पब्लिक पॉलिसी में मास्टर्स किया। अभिषेक प्रकाश लखीमपुर खीरी, अलीगढ़ और हमीरपुर के डीएम भी रह चुके हैं। सरकार द्वारा दी गई चार्जशीट के बाद अब उनकी ओर से जवाब का इंतजार है, जिसके आधार पर विभागीय कार्रवाई होगी।

ट्रंप टैरिफ और FPI का पैसा बदलेगा भारत के शेयर बाजार की चाल

एजेंसी | नई दिल्ली

वर्ल्ड बिजनेस पर दो अप्रैल से लागू होने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के प्रभाव, विदेशी बाजारों के रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी।ईद-उल-फितर के मौके पर सोमवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। अमेरिका ने दो अप्रैल को भारत सहित अपने प्रमुख व्यापारिक भागीदार देशों पर दो अप्रैल से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, अब सभी की निगाहें ट्रंप की दो अप्रैल की शुल्क घोषणा पर टिकी हैं।

टैरिफ और वर्ल्ड मार्केट पर बहुत कुछ निर्भर

इस सप्ताह घोषित किए जाने वाले वृहद आर्थिक आंकड़ों में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, आगामी छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर संकेतकों के अभाव में बाजार भागीदारी की निगाह वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगी। दो अप्रैल से लागू होने वाले जवाबी शुल्क का वैश्विक व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसपर सभी की निगाह रहेगी। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, आगे चलकर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह मुख्य रूप से ट्रंप के जवाबी शुल्क पर निर्भर करेगा। यदि शुल्क का प्रतिकूल प्रभाव बहुत अधिक नहीं रहता है, तो एफआईआई का प्रवाह जारी रह सकता है। उन्होंने कहा कि एफआईआई की रणनीति बिकवाली से मामूली खरीद की हो गई है। 21 मार्च को समाप्त सप्ताह में यह दिखाई दिया था और 28 मार्च को समाप्त सप्ताह में भी यह रुख जारी रहा। निवेशकों की निगाह रुपये-डॉलर के रुझान और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी।

2 अप्रैल के बाद होगा बाजार का रुख

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि। के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, इस सप्ताह शुल्क को लेकर चीजें अधिक साफ हो सकेंगी। इससे निवेशक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का आकलन कर सकेंगे। सप्ताह के दौरान अमेरिका के रोजगार और भारत के पीएमआई आंकड़े आने हैं। उन्होंने कहा, इस बीच, निवेशकों का ध्यान कंपनियों के तिमाही नतीजों पर है, जिससे उनके प्रदर्शन को लेकर स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

एचडीएफसी बैंक ने फिर दिखाया जलवा, 5 दिन में कमाकर दिए 44,934 करोड़

एजेंसी | नई दिल्ली

स्टॉक मार्केट में बहार लौटने लगी है और इसका असर अब ऐसी कंपनियों के शेयर पर भी दिख रहा है, जिसे लेकर लोग उम्मीद ही छोड़ चुके थे। ऐसा ही एक नाम एचडीएफसी बैंक का है। मर्जर के बाद से एचडीएफसी बैंक के शेयर प्राइस निवेशकों को झटका दिए हुए थे, लेकिन बीते 5 दिनों में सबसे ज्यादा दौलत बैंक के शेयर ने की कमाकर दी है। देश की टॉप-10 कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को देखें तो बीते सप्ताह 10 में से 8 कंपनियां पॉजिटिव जोन में रहीं। इनकी नेट वैल्यू में 88,085 ।89 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। सबसे ज्यादा मुनाफे में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले हफ्ते सेंसेक्स में 509 ।41 अंक की बढ़त दर्ज की गई है।

एचडीएफसी बैंक के निवेशकों ने कमाए 44,934 करोड़

बीते सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैपिटलाइजेशन 44,933 ।62 करोड़ रुपये बढ़कर 13,99,208 ।73 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। किसी कंपनी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी असल में उसके शेयर्स की टोटल वैल्यू में हुई बढ़ोतरी होती है। इस तरह ये उस कंपनी के शेयर होल्डर्स की एसेट वैल्यू यानी रिटर्न में बढ़ोतरी को दिखाता है। एचडीएफसी बैंक के बाद भारतीय स्टेट बैंक के मार्केट कैपिटलाइजेशन में सबसे ज्यादा ग्रोथ देखी गई।ये 16,599 ।79 करोड़ रुपये बढ़कर 6,88,623 ।68 करोड़ रुपये हो गया। वहीं टीसीएस का एमकैप 9,063 ।31 करोड़ रुपये बढ़कर 13,04,121 ।56 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। देश के दूसरे बड़े प्राइवेट बैंक आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट वैल्यूएशन 5,140 ।15 करोड़ रुपये बढ़कर 9,52,768 ।61 करोड़ रुपये रहा है। आईटीसी के एमकैप में 5,032 ।59 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई और यह 5,12,828 ।63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,796 ।01 करोड़ रुपये बढ़कर 5,30,854 ।90 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत में भी इस हफ्ते सुधार हुआ है। ये 2,651 ।48 करोड़ रुपये बढ़कर 9,87,005 ।92 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वहीं बजाज फाइनेंस का एमकैप 1,868 ।94 करोड़ रुपये के इजाफे के साथ 5,54,715 ।12 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार में बढ़त के रुख से उलट इंफोसिस का एमकैप इस दौरान 9,135 ।89 करोड़ रुपये घटकर 6,52,228 ।49 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट वैल्यूएशन 1,962 ।2 करोड़ रुपये घटकर 17,25,377 ।54 करोड़ रुपये रह गया।

संयुक्त अरब अमीरात का शेख हल्दीराम में होगा हिस्सेदार

एजेंसी | मुंबई

ईद पर सेवैंया खानी हो या होली पर गुजिया और दिवाली पर सोन पापड़ी या घर पर आए मेहमान को नमकीन परोसना हो, भारत के मशहूर स्नैक ब्रांड हल्दीराम की पहुंच लगभग हर घर तक है। अब इस ब्रांड को एक नया मालिक मिलने वाला है। ये मालिक वही संयुक्त अरब अमीरात के वही शेख होंगे जो हिंडनबर्ग संकट के समय उद्योगपति गौतम अडानी की मदद के लिए भी आगे आए थे। संयुक्त अरब अमीरात के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर शेख ताहनून बिन जायद भारतीय स्नैक ब्रांड हल्दीराम में अच्छी-खासी हिस्सेदारी खरीदने के इच्छुक हैं। कई ट्रिलियन डॉलर्स की रकम को मैनेज करने वो शेख ताहनून बिन जायद वहीं शख्स हैं, जिन्होंने 2022 में हिंडनबर्ग संकट के समय गौतम अडानी को 2 अरब डॉलर की मदद भेजी थी।

हल्दीराम को सिंगापुर से भी मिला इंवेस्टमेंट

हल्दीराम भले एक इंडियन ब्रांड है, लेकिन इसकी ग्लोबल प्रेजेंस भी है। खासकर के आसियान और गल्फ कंट्रीज में। इसलिए इन देशों के बड़े इंवेस्टर्स की इसमें निवेश करने को लेकर दिलचस्पी है। अल्फा वेब से पहले सिंगापुर की निवेश फर्म टेमासेक ने भ कंपनी में इंवेस्ट किया है। टेमासेक और हल्दीराम पर मालिकाना हक रखने वाली अग्रवाल फैमिली के बीच इसी महीने की शुरुआत में एक डील साइन हुई है। टेमासेक हल्दीराम में 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदेगी। इस तरह अग्रवाल फैमिली को कंपनी में 15 प्रतिशत तक की शेयर होल्डिंग डायल्यूट करनी पड़ेगी ।अल्फा वेव उन इंवेस्टमेंट कंपनियों में से एक है जिसने एलन मस्क की स्पेसएक्स को भी फंड किया है। वैसे गौर करने वाली बात ये है कि इस निवेश के बाद टेमासेक को जहां हल्दीराम के बोर्ड में जगह मिल सकती है, वहीं अल्फा वेव खुद को इससे बाहर रख सकती है।

हल्दीराम के बन सकते हैं मालिक

शेख ताहनून बिन जायद के 1 ।5 ट्रिलियन डॉलर के बिजनेस एंपायर के तहत चिमेरा कैपिटल कंपनी आती है। चिमेरा कैपिटल ने अल्फा वेव ग्लोबल लाम के एक फंड में निवेश किया हुआ है, जो हल्दीराम स्नैक्स फूड में हिस्सेदारी खरीदने का इच्छुक है ।शेख ताहनून बिन जायद की कंपनी हल्दीराम में 6 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीद सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए 60 करोड़ डॉलर (करीब 5,160 करोड़ रुपये) की डील हो सकती है। ये देश में स्नैक और फूड कंपनी के लिए अब तक की इस तरह की सबसे बड़ी डील्स में से एक होगी

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, एक सप्ताह में 1,370 रुपये महंगा हुआ सोना

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में लगातार मजबूती बनी हुई है। पिछले एक सप्ताह में सोने के भाव में 1,300 से 1370 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोने का भाव 91 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को भी पार कर गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना रविवार (आज) को 91,200 रुपये से लेकर 91,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 83,600 रुपये से लेकर 83,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही पिछले एक सप्ताह के कारोबार में चांदी के भाव में करीब 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,3,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 91,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 83,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

मुंबई इंडियन्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वापसी की उम्मीद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में एक बार फिर खराब शुरुआत करने के बाद सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ अंकों का खाता खोलने के इरादे से उतरेगी। मुंबई इंडियन्स के लिए आईपीएल सत्र की शुरुआत लगातार हार के साथ करना कोई नई बात नहीं है। टीम को अब तक चेन्नई सुपरकिंग्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ दो मैच में हार झेलनी पड़ी है।

टूर्नामेंट में हमेशा धीमी शुरुआत करने वाली यह टीम ट्रॉफी जीतने के लिए एकजुट होकर खेलने के लिए जानी जाती है लेकिन अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए मुंबई को अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन और बल्लेबाजों से निरंतरता की आवश्यकता होगी, विशेषकर तब जब उनके पास निचले क्रम में विशेषज्ञ फिनिशर की कमी है।

रोहित शर्मा बल्ले से लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि आक्रामक बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन अपने पहले आईपीएल टूर्नामेंट में भारतीय पिचों पर अभी तक लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा की झलक तो दिखाई है लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। दूसरी ओर रोहित दोनों मैच में दोहरे अंक में पहुंचने में नाकाम रहे जिसमें एक बार वह खाता भी नहीं खोल पाए।

सूर्यकुमार यादव टाइटंस के खिलाफ 48 रन बनाकर फॉर्म में लौटते दिख रहे थे लेकिन यह पारी वैसी नहीं थी, जिसके लिए भारतीय टी20 कप्तान को पहचाना जाता है।टीम में लगातार बदलाव के कारण मुंबई इंडियन्स सही संयोजन की तलाश में है लेकिन मौजूदा टीम में एक विशेषज्ञ फिनिशर की कमी है जो काम टीम के लिए पिछले कुछ समय में टिम डेविड ने किया था।

तिलक वर्मा और सूर्यकुमार बल्लेबाजी में मुंबई की सबसे बड़ी उम्मीद हैं और इन दो टी20 विशेषज्ञों की इस आईपीएल में शानदार शुरुआत मुंबई की टीम के लिए समारात्मक चीजों में से एक है। कप्तान हार्दिक पंड्या व्यक्तिगत मोर्चे पर लगातार सफलता के बाद वानखेड़े स्टेडियम में फिर से जोश से भरकर लौटेंगे जहां के दर्शक पिछले साल रोहित से उनके मुंबई की कमान संभालने पर पूरी तरह से उनके खिलाफ थे।

जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति मुंबई इंडियन्स को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट और रीस टॉपले के साथ अपने वांछित नए गेंद के आक्रमण को उतारने से रोकेगी क्योंकि दीपक चाहर को न्यूजीलैंड के अनुभवी गेंदबाज के साथ तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी साझा करनी होगी। नाइट राइडर्स की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ सत्र का पहला मैच गंवाने के बाद राजस्थान रॉयल्स पर अपनी बड़ी जीत की लय को जारी रखना चाहेगी।

अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में केकेआर के पास अपेक्षित ताकत है लेकिन क्विंटन डिकॉक के सलामी जोड़ीदार के रूप में सुनील नारायण की अनुपस्थिति में मोईन अली सलामी बल्लेबाज के रूप में अजीब लग रहे थे। टीम के बल्लेबाजी क्रम में रहाणे, वेंकटेश अय्यर और अंगकृष रघुवंशी शामिल हैं। रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल की मौजूदगी में केकेआर के पास डेथ ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी हैं जबकि टीम की गेंदबाजी भी उतनी ही आकर्षक है।

हर्षित राणा और वैभव अरोड़ा ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पेंसर जॉनसन के साथ मिलकर नई गेंद का मजबूत आक्रमण बनाते हैं लेकिन केकेआर की असली ताकत उनके स्पिन आक्रमण में है जिसमें नारायण और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं जो अच्छे विकेटों पर भी विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने की क्षमता रखते हैं।

नारायण ने शनिवार को ट्रेनिंग की जो बीमारी से उबरने का संकेत है और उनकी संभावित वापसी केकेआर को उत्साहित करेगी क्योंकि उन्होंने आईपीएल में तीन बार की विजेता टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केकेआर की टीम पिछले साल मुंबई इंडियन्स पर अपनी 24 रन की जीत से भी काफी उत्साहित होगी जो वानखेड़े स्टेडियम में 12 साल में उनकी पहली जीत थी।

टीम इस प्रकार हैं:

- **मुंबई इंडियन्स:** हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज, रेयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कोर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान और जसप्रीत बुमराह।
- **कोलकाता नाइट राइडर्स:** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पावेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसोदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोईन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और वरुण सकारिया।
- **समय:** मैच शाम 7:30 बजे

गुजरात टाइटंस ने हमें दिखाया कि उस विकेट पर कैसे गेंदबाजी करनी है: बोल्ट

एजेंसी | अहमदाबाद

मुंबई इंडियन्स के सीनियर तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की काली मिट्टी की पिच का अच्छी तरह इस्तेमाल किया और गेंद की गति को कम करके मुंबई के बल्लेबाजों को सफलतापूर्वक बांधे रखा। मेजबान टाइटंस ने शनिवार को आईपीएल मैच में आठ विकेट पर 196 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियन्स को 36 रन से हराया। बोल्ट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'विरोधी टीम की अच्छी रणनीति। अगर आपके पास ऐसा करने के लिए विकल्प हैं तो यह समझदारी भरा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमारी टीम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो पूरे देश में हर तरह के विकेट पर खेल चुके हैं। इसलिए ईमानदारी से कहूं तो आज रात प्रदर्शन अच्छा नहीं था, मुझे लगा कि उन्होंने (टाइटंस) अच्छा स्कोर बनाया और उन्होंने हमें दिखाया कि उस विकेट पर कैसे गेंदबाजी करनी है। इसलिए उन्हें पूरा श्रेय जाता है।' मैच के लिए लाल मिट्टी की बजाय काली मिट्टी की पिच इस्तेमाल की गई लेकिन न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ने इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया।

'घरेलू टीम को फायदा होना चाहिए'

बोल्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि अपने फायदे के लिए घरेलू परिस्थितियों का इस्तेमाल करना अच्छा था। जाहिर है कि घरेलू टीम को फायदा होना चाहिए। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हमारे दृष्टिकोण से यह कोई बहाना नहीं है। हम समझ गए थे कि विकेट काली मिट्टी का था और मुझे नहीं लगता कि हमने अच्छी तरह से सामंजस्य बैठाया।''

गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के टूर्नामेंट द टेन प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 14.88 सेकेंड का था जिसे उन्होंने पिछले साल नवंबर में जापान के हाचियोजी में बनाया था। बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने जापान में इसे बेहतर करने से पहले मार्च में कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में 27 मिनट 41.81 सेकेंड का समय लिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, 'गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर 10 हजार मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया।

'रोहित अपने करियर के उस पड़ाव पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ झोंकना होगा'

एजेंसी | अहमदाबाद

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने रोहित शर्मा के मौजूदा फॉर्म की गंभीर तस्वीर पेश करते हुए कहा कि इस सीनियर बल्लेबाज के हाथ से चीजें फिसलती जा रही हैं जो अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ झोंकना होगा।

मुंबई इंडियन्स का यह स्टार बल्लेबाज मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती दो मैच में फ्लॉप रहा और शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम के पिछले मैच में आठ रन ही बना पाया।

मांजरेकर ने 'जियोस्टार' से कहा, 'रोहित शर्मा स्पष्ट रूप से एक दौर से गुजर रहे हैं। वे तीन-चार साल पहले वाले रोहित शर्मा नहीं हैं। वे अपने करियर के उस पड़ाव पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ झोंकना होगा- कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर होना होता है क्योंकि चीजें उनके हाथ से फिसल रही हैं। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं।' मुंबई इंडियन्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन से हार का सामना करना पड़ा।

पिछले दो मैच में बल्ले से मुंबई इंडियन्स के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए मांजरेकर ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी होने के कारण रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर शानदार सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा।'

'लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच जाते'

उन्होंने कहा, 'इसके अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ मिलकर बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि यह अब भी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है और उनमें से बहुत से खिलाड़ी ऐसी पिचों पर निर्भर करते हैं जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है।' मांजरेकर ने कहा, 'इसमें गति और उछाल है, और यहां तक कि उस लक्ष्य का पीछा करते हुए जहां उन्हें 12 या 13 रन प्रति ओवर चाहिए थे, अगर यह वानखेड़े स्टेडियम में होता तो वे लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच जाते।'

बीकेएफसी के लिए दुबई तैयार

दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने जताई उत्सुकता

बीकेएफसी अध्यक्ष फेल्डमैन बोले- 'हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं'

एजेंसी | दुबई

बेयर नकल फाइटिंग चैंपियनशिप (बीकेएफसी) अगले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने बहुप्रतीक्षित आगमन के लिए तैयार है। यह आयोजन वर्ल्ड लीग ऑफ फाइटर्स और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से 4 और 5 अप्रैल को प्रतिष्ठित दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाज बिना दस्ताने के दमदार मुकाबलों में आमने-सामने होंगे, जिसमें सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जाएगा।

मिक्स मार्शल आर्ट्स दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने अपने उत्साह को व्यक्त किया और बीकेएफसी के अध्यक्ष डेविड फेल्डमैन ने यूएई को एक गेमचेंजर के रूप में देखा। बीकेएफसी के संस्थापक और अध्यक्ष डेविड फेल्डमैन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं। छह हफ्तों में आठ आयोजन, चार देशों में। हम दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में 4 और 5 अप्रैल को होने वाले दो इवेंट और चार विश्व चैम्पियनशिप मुकाबलों के लिए आ रहे हैं।'

बीकेएफसी की दुबई में एंट्री, संगठन की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसके तहत छह हफ्तों में चार अलग-अलग देशों में कुल आठ आयोजन किए जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, जो अब तक बड़े-बड़े खेल आयोजनों का गवाह बन चुका है, अब पहली बार बिना दस्तानों के मुक्केबाजी का रोमांच देखेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूर्व मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स चैंपियन और कॉम्बैट स्पोर्ट्स आइकन कॉनर मैकग्रेगर भी बेहद उत्साहित हैं। बीकेएफसी के तेजी से बढ़ते प्रभाव को लेकर उन्होंने कहा, 'दुबई, हम आ रहे हैं। बीकेएफसी अब एक वैश्विक सनसनी बन चुका है। यह अमेरिका के फ्लोरिडा से लेकर पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। यह अब अंतरराष्ट्रीय हो चुका है और संयुक्त अरब अमीरात में भी धमाल मचाएगा।'

दुनिया भर के शीर्ष मुक्केबाज़ करेंगे मुकाबला

बीकेएफसी दुबई संस्करण में दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाज हिस्सा लेंगे और विभिन्न भार वर्गों में जबरदस्त मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल बिना दस्तानों के मुक्केबाजी को बढ़ावा देना है बल्कि इसे एक नए स्तर पर ले जाकर इसे खेल मनोरंजन का अद्भुत अनुभव बनाना है।

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

एजेंसी | वाराणसी

वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है।

रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरुआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया।

इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया।

हैदराबाद में जीता तीसरा राष्ट्रीय पदक

मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता 26 से 29 मार्च तक गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश की ओर से पुरुष 60 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उनकी इस उपलब्धि पर उनके कोच, परिवार और शुभचिंतक उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। रोशन की इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' रिलीज से पहले लीक

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर', आखिरकार आज 30 मार्च यानी ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि, रिलीज से पहले ही फिल्म निर्माताओं को तगड़ा झटका लगा, जब 'सिकंदर' कई पायरेटेड साइटों पर लीक होने की खबर आई। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक इसे 600 से अधिक साइटों पर लीक कर दिया गया है।

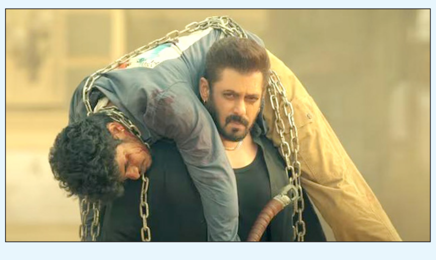

फिल्म की लीक होने की खबर से मेकर्स और फैंस दोनों चिंतित हैं, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि सलमान की स्टार पावर बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाएगी। फिल्म लीक होने पर मशहूर ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा ने प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, 'थिएट्रिकल रिलीज से पहले किसी फिल्म का लीक हो जाना किसी भी निर्माता के लिए एक बुरे सपने जैसा है। दुर्भाग्य से, यही साजिद नाडियाडवाला की 'सिकंदर' के साथ हुआ। फिल्म के निर्माताओं ने शनिवार रात ही अधिकारियों से अनुरोध किया कि इसे छह सौ साइटों से हटाया जाए, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था।' फिल्ममेकर्स अब पायरेसी के खिलाफ कड़े कदम उठा रहे हैं और इसे रोकने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज के साथ ही पायरेसी का शिकार होना कोई नई बात नहीं है। अक्सर सिनेमाघरों में आते ही फिल्मों के लीक होने की खबरें सामने आती रहती हैं। यह अब लगभग हर फिल्म के साथ होता है। हालांकि, सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर' रिलीज से पहले ही पायरेसी का शिकार हो गई, जो निर्माताओं के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ। 600 से अधिक साइटों पर फिल्म के लीक होने से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। फिल्ममेकर्स अब इसे हटाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन रिलीज से पहले लीक होना निश्चित रूप से चिंता का विषय है।

फिल्म 'सिकंदर' का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर ए.आर. मुरुगदास ने किया है, जिन्होंने आमिर खान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गजनी' बनाई थी। इस बार उन्होंने सलमान खान को एक दमदार अवतार में पेश किया है। इस फिल्म में पहली बार सलमान खान और रश्मिका मंदाना की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आ रही है। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में सलमान ने खुलासा किया था कि 'सिकंदर' से पहले वह रश्मिका मंदाना के बारे में ज्यादा नहीं जानते थे। फिल्म में प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल, सत्यराज और शरमन जोशी जैसे शानदार कलाकार सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे।

'मेरे जिस्म की हर हड्डी 2-3 बार टूट चुकी है'

सलमान खान की फिल्म सिकंदर बड़े पर्दे पर आ गई है। एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी ये फिल्म लोगों का दिल जीत रही है और सलमान के फैंस फिल्म को ब्लॉकबस्टर बता रहे हैं। फिल्म की कहानी से लेकर इसमें दिखाए गए एक्शन और रोमांस तक, सभी की चर्चा हो रही है। हर फिल्म की तरह सिकंदर में भी सलमान ने तगड़ा एक्शन किया है। हालांकि इन एक्शन सीन्स का सलमान को बड़ा खमियाजा भी भुगतना पड़ता है। हाल ही में उन्होंने बताया कि एक्शन सीन्स में कई बार वो घायल हो चुके हैं। सिकंदर की रिलीज से पहले हाल ही में सलमान ने मीडिया से बात की। इस दौरान उनसे सवाल हुआ कि क्या अब इस उम्र में आपको एक्शन फिल्में करने में दिक्कत आती है? इसका जवाब देते हुए सलमान ने कहा, 'मेरे जिस्म की हर हड्डी दो या तीन बार टूट चुकी है। हर लिगामेंट 2-3 बार फट चुका है। हमें आराम करने तक का मौका नहीं मिला। फिल्म में कोई बॉडी शॉट नहीं था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ हफ्तों में पतला हो जाता। ये कोई बड़ी बात नहीं है। मैं पतला नहीं हूं फिर भी मेरे पास सिक्स पैक एब्स है।' सलमान खान ने आगे कहा, 'मेरी मांसपेशियां इतनी बड़ी हैं कि अगर मुझमें थोड़ी भी चर्बी आ जाती है तो वो बाहर निकलने लगती हैं। लोग इस बात का मुद्दा बना रहे हैं। पर मेरे लिए ये कोई मुद्दा नहीं है। अगर आपके पास सिक्स पैक हैं लेकिन वजन सिर्फ 55 किलो है तो इसका क्या ही मतलब है?'

फिल्म 'हीरामंडी' के बाद अदिति राव हैदरी को नहीं मिल रहा काम

अदिति राव हैदरी अब तक कई फिल्मों और वेब सीरीज में अपने शानदार अभिनय का परिचय दे चुकी हैं। पिछली बार वह संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इस सीरीज में न सिर्फ उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई, बल्कि उनकी 'गजगामिनी चाल' भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। उनकी खूबसूरती और अंदाज की तुलना मीना कुमारी से तक की जाने लगी थी। हालांकि, अदिति ने खुद खुलासा किया कि इस चर्चित परफॉर्मेंस का उनके करियर पर कोई खास फायदा नहीं हुआ।

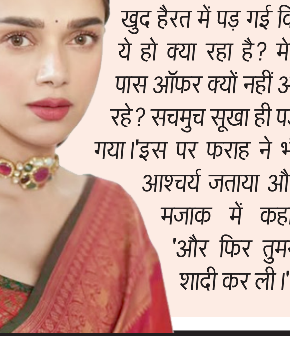

फराह खान के ब्लॉग में बातचीत के दौरान अदिति राव हैदरी ने कहा कि उन्होंने बताया था कि संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में काम करने के बाद उन्हें लगा कि वह अपने करियर में एक खास मुकाम पर पहुंच गई हैं। इस पर अदिति ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'कुछ भी नहीं! 'हीरामंडी' तो छोड़िए, सब्जी मंडी में भी नहीं। हीरामंडी के बाद जिस तरह लोगों ने मेरी तारीफ की और मुझे इतना प्यार मिला, लगा था कि अब तो ढेर सारे दिलचस्प प्रोजेक्ट्स मिलेंगे। लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा। मैं खुद हैरत में पड़ गई कि ये हो क्या रहा है? मेरे पास ऑफर क्यों नहीं आ रहे? सचमुच सूखा ही पड़ गया।'इस पर फराह ने भी आश्चर्य जताया और मजाक में कहा, 'और फिर तुमने शादी कर ली।'

मणिकर्ण में बड़ी लैंड स्लाइड, 6 लोगों की मौत, दर्जन भर घायल

दोपहर संवाददाता । कुल्लू

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बड़ी लैंड स्लाइड हुई है। यह हादसा रविवार की शाम करीब पांच बजे मणिकर्ण में गुरुद्वारा के पास हुआ है। इसमें छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दर्जन भर लोगों के घायल होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि मरने वाले सभी लोग गुरुद्वारा के पास स्थित पेड़ गिरने से घायल हुए थे। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त यह सभी लोग सड़क के किनारे पेड़ के नीचे बैठे हुए थे। अचानक से लैंड स्लाइड हुई और पहाड़ी से सरकते हुए मलबा आकर पेड़ से टकराया और झटके के साथ पेड़ उखड़ कर सड़क पर गिर गया। इसकी चपेट में वहां बैठे लोग आ गए। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे में सड़क किनारे

खड़े एक रेहड़ी संचालक की मौत हुई है। इसके अलावा सूमो कार में सवार दो लोगों के साथ तीन पर्यटकों की मौत हुई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी छह लोगों के शव कब्जे में लेकर इनकी पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

मलबे में शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन

स्थानीय लोगों की मदद से इन गाड़ियों में फंसे लोगों को निकाल कर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस के मुताबिक मलबे में अभी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। इसलिए मौके पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक इस लैंड स्लाइड की वजह से कुल्लू को मणिकर्ण से जोड़ने वाली सड़क पर मलबा जमा हो गया है और सड़क बंद हो गई है। ऐसे में सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। हालात को देखते हुए पुलिस ने मणिकर्ण से पहले ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है।

कुल्लू के एडीएम ने की पुष्टि

इस हादसे में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडीएम कूल्लू अश्वनी कुमार के मुताबिक इस हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। वहीं कई लोग घायल हैं। फिलहाल मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। मौके पर पहुंचे अधिकारियों के मुताबिक लैंड स्लाइड की वजह से एक बड़ा चीड़ का पेड़ उखड़ कर सड़क पर जा गिरा। इस पेड़ की चपेट में वहां खड़ी तीन चार गाड़ियां आ गई। इस हादसे में यह गाड़ियां तो क्षतिग्रस्त हुई ही है, इनमें बैठे लोग भी बुरी तरह से जख्मी हो गए।

नीतीश के आवास पर NDA की अहम बैठक

सीट बंटवारे के पहले महत्वपूर्ण कदम

दोपहर संवाददाता । पटना

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर सीएम आवास पर NDA के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ सभी घटक दलों के नेताओं ने भाग लिया। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में घटक दलों ने अपनी दावे वाली सीटों की लिस्ट बंद लिफाफे में सौंपी। अब बीजेपी इन दावे वाली सीटों को लेकर अपने स्तर से काम करेगी। बीजेपी देखेगी कि जमीनी स्तर पर घटक दल जिन सीटों पर अपना उम्मीदवार देना चाहते हैं, उसकी वास्तविक स्थिति क्या है। एनडीए में सीट बंटवारे के पहले ये महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बैठक में NDA की जीत का संकल्प

अमित शाह की मौजूदगी में NDA की एकजुटता और जीत के संकल्प को दोहराया गया। बैठक की औपचारिकता पूरी करने के बाद अमित शाह सीएम आवास से रवाना हो गए। अब बीजेपी घटक दलों के दावे वाली सीटों पर मंथन करेगी और जल्द ही सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में कई अहम बातों पर चर्चा हुई : चिराग पासवान

सीएम नीतीश कुमार के आवास पर हुई एनडीए की बैठक पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि ये राज्य के लिए चुनावी साल है। बैठक में कई अहम बातों पर चर्चा हुई।

न्यूज़ ब्रीफ

अगर समझौता नहीं किया तो बमबारी होगी, ट्रंप की ईरान को धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से धमकी दी है कि अगर ईरान न्यूक्लियर डील पर सहमति नहीं बनाता, तो बमबारी की जाएगी। साथ ही उसे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो बमबारी होगी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो मैं उन पर फिर से सेकेंडरी टैरिफ (द्वितीयक प्रतिबंध) लगा दूंगा, जैसा मैंने चार साल पहले किया था। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका को 2015 के ईरान परमाणु समझौते से अलग कर लिया था। यह समझौता ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाता था, जिसके बदले में उसे आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिलती थी। इसके बाद ट्रंप ने ईरान पर कड़े अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लागू कर दिए, जिससे ईरान का आर्थिक संकट और बढ़ गया।

IndiGo पर आयकर विभाग ने ठोका 944 करोड़ का जुर्माना

मुंबई। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से लगाई गई 944.20 करोड़ रुपये की पेनल्टी को देश की बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने गलत बताया है और कहा कि इस आदेश को वह कानूनी रूप से चुनौती देगी। एयरलाइन की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन पर शनिवार को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से पेनल्टी का नोटिस मिला था। रेगुलेटरी फाइलिंग में रविवार को कंपनी ने कहा कि यह पेनल्टी असेसमेंट ईयर 2021-22 के लिए थी। कंपनी का मानना है कि यह आदेश कानून के अनुरूप नहीं है। साथ ही इंडिगो ने इस आदेश को गलत बताया। इंडिगो ने आश्वासन दिया है कि वह पेनल्टी के खिलाफ कानूनी उपाय अपनाएगी। बड़ी पेनल्टी के बावजूद, इंडिगो ने साफ किया है कि इस आदेश का उसके फाइनेंशियल, ऑपरेशंस या ओवरऑल बिजनेस एक्टिविटी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

बांदीपुरा-गुरेज रोड 28 दिनों से बंद, बर्फ हटाने में जुटा BRO

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पिछले महीने हुई भारी बर्फबारी की वजह से बांदीपुरा-गुरेज रोड अभी तक बंद है और इसे चालू नहीं किया जा सका है। भारी बर्फबारी के कारण 85 किलोमीटर लंबा बांदीपुरा-गुरेज रोड 24 फरवरी से ही बंद है। सड़क के बंद होने से गुरेज के बाजार में सब्जियों और अन्य जरूरी वस्तुओं की भारी किल्लत हो गई है। बीआरओ ने सड़क पर फैले बर्फ को हटाने का काम तेज कर दिया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) बांदीपोरा जिले में पड़ने वाले गुरेज क्षेत्र में सड़क के जरिए संपर्क बहाल करने की मुहिम में जुट गया है। बर्फ हटाने का अभियान शुरू कर दिया गया है। पिछले 28 दिनों से बंद रहने के बाद सड़क को साफ करने का अभियान शुरू किया गया है जिसका मकसद जल्द से जल्द सड़क को फिर से खोलना है। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि 56 आरसीसी बीआरओ की टीमों ने बर्फ काटने वाली मशीनों और अन्य विशेष उपकरणों का उपयोग करके बर्फ हटाने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि सड़क पर से बर्फ हटाने का काम जल्द पूरा होने की उम्मीद है, जिससे सड़क मार्ग यातायात के लिए फिर से शुरू हो जाएगी। इस बीच, स्थानीय निवासियों ने गुरेज में जरूरी चीजों की लंबे समय से कमी पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

मणिपुर, अरुणाचल और नगालैंड में 6 महीने के लिए बढ़ा AFSPA

एजेंसी । मणिपुर

मणिपुर-अरुणाचल और नगालैंड में 6 महीने के लिए AFSPA बढ़ा दिया गया है। गृह मंत्रालय ने इसे लेकर एक अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के मुताबिक मणिपुर के 13 पुलिस थानों को छोड़कर बाकी सभी इलाको में AFSPA लगा है, नगालैंड के 8 जिलों में भी सशस्त्र बल को विशेष शक्तियां दी गई हैं। इसी तरह अरुणाचल प्रदेश के भी तीन जिलों में 6 महीने के लिए AFSPA रहेगा। अब मणिपुर में तो AFSPA का लगना मायने रखता है क्योंकि पिछले दो सालों से वहां हिंसा का दौर जारी है। कभी हिंसा कम या कभी ज्यादा रह सकती है, लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। ऐन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद से ही राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है।

हालात अभी भी कंट्रोल में नहीं हैं। इसी वजह एफ्सपा को बढ़ाना मायने रखता है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि मणिपुर के कुछ क्षेत्रों में अशांति और हिंसा की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

AFSPA कानून क्या है?

किसी भी क्षेत्र में AFSPA कानून को लागू करने का मतलब है कि उस क्षेत्र को डिस्टबर्ड एरिया या अशांत क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। AFSPA कानून ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के जवाब में लागू किया गया था। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस कानून को जारी रखने का फैसला किया था और 1958 में इसे कानून के रूप में लागू कर दिया गया। पूर्वोत्तर के राज्यों, जम्मू कश्मीर और पंजाब में जब उग्रवाद चरम पर था तब इन राज्यों में इस कानून को लागू किया गया था। इसके बाद पंजाब पहला ऐसा राज्य था जहां से इसे हटाया गया।

युवाओं को सांस्कृतिक प्रदूषण से बचाना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी : अनुराग ठाकुर

देहरादून। हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि आज के समय में जब भारत के सेक्युलर और विपक्षी विचारकों के आदर्श महाराणा प्रताप, शिवाजी या राणा सांगा नहीं, बल्कि बाबर और औरंगज़ेब हो चुके हैं, तो युवाओं को सांस्कृतिक प्रदूषण से बचाना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी बन जाती है।

अनुराग ठाकुर रविवार को देहरादून स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में हिंदू नव वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास को एक षड्यंत्र के तहत छुपाया गया। सैकड़ों सालों से बाबर महान, हुमायूँ महान, औरंगजेब टोपी सिलता ऐसी ही कहानियाँ सुनाई गयी, जिन्होंने भारत में गजवा ए हिन्द के नाम पर आतंक, नरसंहार और लूटमार किया, हमारे मंदिर तोड़े, उन लुटेरों को दयावान, महान और भारत का निर्माता कह कर पेश किया गया और भारत माता के वो लाल जिन्होंने जिहाद का जहर फ़ैलाने वाले सुल्तानों के खिलाफ लड़ाइयां लड़ी उन्हें लुटेरा और खलनायक साबित करने का अभियान चलाया गया।

एक्सिडेंट की जांच में हुआ हैरतंगेज खुलासा

पिता ने कराई जिंदा बेटे की अंत्येष्टि

एजेंसी । नई दिल्ली

अभी तक आपने फर्जीवाड़े के बहुत से मामले सुने और पढ़ होंगे, लेकिन क्या आपने कभी ऐसा सुना कि एक पिता ने फर्जीवाड़े के लिए अपने जिंदा बेटे को ही मार दिया। ऐसा ही एक मामला दिल्ली के नजफगढ़ इलाके से सामने आया है, जहां इंश्योरेंस क्लेम करने के लिए पिता ने अपने बेटे की मौत की झूठी कहानी ही रच डाली। इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने पुलिस ने आरोपी पिता और बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली के नजफगढ़ में रहने वाले गगन के पिता ने बेटे का एक करोड़ रुपये का जीवन बीमा कराया। इसके बाद पिता ने इंश्योरेंस क्लेम करने के लिए बेटे की फर्जी मौत की कहानी रची। पिता ने कहानी रची कि 5 मार्च को नजफगढ़ में हुए एक रोड एक्सीडेंट में गगन की मौत हो गई। इसके बाद पिता ने उसका अंतिम संस्कार भी करवा दिया था।

आरोपी पिता-बेटा अरेस्ट

हालांकि, वह इंश्योरेंस कंपनी से पैसे वसूल पाते इससे पहले ही पुलिस की मुस्तैदी के कारण वह गिरफ्तार हो गए। पुलिस ने आरोपी पिता और बेटे को गिरफ्तार मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वकील की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है।

मौत की रची झूठी कहानी

जांच में सामने आया है कि गगन को किसी भी बड़े अस्पताल में भर्ती नहीं कराया था। इस पूरे मामले नया मोड़ तब सामने आया है, जब एक शख्स 11 मार्च को नजफगढ़ थाने पहुंचा और यहां उसने पुलिस को बताया कि 5 मार्च को उससे एक एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई है। मामले की जानकारी होते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। हालांकि, इस दौरान न तो पुलिस एक्सीडेंट का कोई सबूत मिला और न ही सड़क हादसे में किसी के मौत की जानकारी मिली।

वकील की सलाह पर बनाया था प्लान

इसके बाद पुलिस की जांच आगे बढ़ी और पुलिस को पता चला कि जिस गगन की मौत के दावे किए जा रहे हैं। उसके पिता ने कुछ महीनों ही उसका एक करोड़ का जीवन बीमा कराया था। पुलिस मामले को लेकर समझ चुकी थी कि दाल में कुछ काला है।

ओडिशा में बेंगलुरु–कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरे

एक की मौत, 3 जख्मी

एजेंसी । ओडिशा

वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की देखरेख में प्रभावित हिस्से पर बचाव और बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। सीपीआरओ मिश्रा के मुताबिक फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक राहत ट्रेन की व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पटरी से उतरने के कारण तीन ट्रेनों का रूट बदला गया है। ये ट्रेनें धौली एक्सप्रेस, नीलाचल एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस हैं। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई है जबकि 3 लोग घायल हो गए हैं। ये ट्रेन बेंगलुरु से गुवाहाटी स्थित कामाख्या स्टेशन की ओर जा रही थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटना की पुष्टि की। कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने पर डीएम दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा कि घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, 8 लोग घायल हैं, जिन्हें रेफर करने की जरूरत थी और उन्हें शिफ्ट कर दिया गया है।

तीन ट्रेनों का रूट बदला गया

वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की देखरेख में प्रभावित हिस्से पर बचाव और बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। सीपीआरओ मिश्रा के मुताबिक फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक राहत ट्रेन की व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पटरी से उतरने के कारण तीन ट्रेनों का रूट बदला गया है। ये ट्रेनें धौली एक्सप्रेस, नीलाचल एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस हैं।

NDRF और ओडिशा फायर सर्विस रेस्क्यू में जुटी

पीटीआई के मुताबिक ओडिशा फायर ब्रिगेड सर्विस के महानिदेशक सुधांशु सारंगी ने बताया कि एनडीआरएफ और ओडिशा अग्निशमन सेवा के कर्मचारी बचाव अभियान में रेलवे की सहायता कर रहे हैं।

रेलवे ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

रेलवे ने सहायता के लिए दो हेल्पलाइन नंबर- 8455885999 (भुवनेश्वर) और 8991124238 (कटक) जारी की हैं। अशोक कुमार मिश्रा ने कहा कि हमने प्रभावित यात्रियों के लिए एक कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन की व्यवस्था की है। हम जल्द ही यात्रियों के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर करेंगे।

घायल यात्री खतरे से बाहर

हादसे के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने X पर पोस्ट में कहा था कि बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस में सवार 2 लोग घायल हुए हैं और खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेन नंबर-12551 से जुड़ी घटना पर अपडेट शेयर कर रहा हूं, असम से कोई हताहत नहीं हुआ है।

30 अप्रैल को खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट, इसी दिन से शुरू होगी चारधाम यात्रा

एजेंसी । उत्तरकाशी

उत्तराखंड के ऊंचे हिमालयी क्षेत्र में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। इसी दिन से इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत होगी। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि गंगोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सुबह 10:30 बजे खोले जाएंगे। वहीं, यमुनोत्री धाम के कपाट भी इसी दिन भक्तों के लिए खोले जाएंगे। यमुनोत्री धाम के कपाट खोलने का शुभ मुहूर्त 6 अप्रैल को यमुना जयंती के दिन तय किया जाएगा। मां गंगा की पवित्र डोली 29 अप्रैल को दोपहर 12 बजे अपने शीतकालीन निवास मुखबा गांव से गंगोत्री धाम के लिए प्रस्थान करेगी। उस दिन यह डोली भैरों घाटी में स्थित भैरव मंदिर

में विश्राम करेगी। अगले दिन, 30 अप्रैल को सुबह 9 बजे, डोली गंगोत्री धाम पहुंचेगी। वहां विधिवत पूजा-अर्चना और हवन के बाद सुबह 10:30 बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट मई में खुलेंगे

चारधाम यात्रा के अन्य महत्वपूर्ण धामों में से केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को और बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को भक्तों के लिए खोले जाएंगे। चारधाम यात्रा में हर साल लाखों श्रद्धालुओं जाते हैं। भक्त इन पवित्र धामों में जाकर मां गंगा, मां यमुना, भगवान केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन करते हैं।

जस्टिस वर्मा की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करना 'खतरनाक उदाहरण' : कपिल सिब्बल

एजेंसी । नई दिल्ली

जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से जांच रिपोर्ट पब्लिक करने को राज्य सभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया है। जस्टिस वर्मा कथित कैश कांड मामले की आंतरिक जांच रिपोर्ट को इस तरह सार्वजनिक करने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला 'खतरनाक मिसाल' है। जस्टिस वर्मा के नई दिल्ली आवास पर 14 मार्च को आग लगने के बाद एक कमरे से कथित तौर पर करोड़ों की नकदी बरामद हुई थी। इस घटना के बाद से विवाद गहराया और जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। इलाहाबार बार एसोसिएशन उनके इलाहाबाद ट्रांसफर का विरोध कर रहा है। मामले की जांच को लेकर सीजेआई संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा केस में दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से इंटरनल जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र उपाध्याय के साथ भी वीडियो और तस्वीरें शेयर कर अपलोड की गईं। कपिल सिब्बल ने इस पर कहा कि ये बेहद खतरनाक मिसाल है और

मुझे लगता है कि संस्था को ऐसे प्रकरण में लिखित तंत्र को स्थापित करना चाहिए। मामले में बार एसोसिएशन के साथ चर्चा करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का फैसला खतरनाक उदाहरण स्थापित कर रहा है।

वक्त बताएगा ये तरीका सही था या गलत

कपिल सिब्बल ने कहा कि जस्टिस वर्मा मामले में कोर्ट की ओर से ऐसे दस्तावेज सार्वजनिक करने का निर्णय सही था या गलत ये तो वक्त ही बताएगा लेकिन ये उनकी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि जब कोर्ट स्वयं किसी दस्तावेज का सोर्स होता है तो अधिक विश्वसनीय होता है। कोर्ट को ऐसा तरीका अपनाना चाहिए जो कि लिखित तौर पर उपलब्ध रहे।

टोंगा 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया

टोंगा में भी तगड़ा भूकंप, सुनामी की चेतावनी

दोपहर संवाददाता । टोंगा

थाईलैंड और म्यांमार में भीषण भूकंप के बाद अब टोंगा में तगड़ा भूकंप आया है। टोंगा के निकट 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके कारण प्रशांत द्वीप देश के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सोमवार की सुबह मुख्य द्वीप से लगभग 100 किलोमीटर (62 मील) उत्तर-पूर्व में भूकंप आया। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर (185 मील) के भीतर स्थित तटों पर खतरनाक लहरें उठ सकती हैं, हालांकि फिलहाल किसी नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। टोंगा, पोलिनेशिया में स्थित एक देश है, जो 171 द्वीपों से बना है, जिसकी आबादी 100,000 से थोड़ी ज्यादा है, जिनमें से ज्यादातर लोग टोंगा टापू के मुख्य द्वीप पर रहते हैं। यह ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से 3,500 किलोमीटर (2,000 मील) से ज्यादा दूर है।

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप से भारी तबाही

यह शक्तिशाली भूकंप इस क्षेत्र में हाल ही में हुई भूकंपीय गतिविधियों की श्रृंखला के बाद आया है, जो दक्षिण प्रशांत क्षेत्र की चल रही भूवैज्ञानिक अस्थिरता को उजागर करता है। इससे पहले शुक्रवार को म्यांमार और पड़ोसी थाईलैंड में शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसमें इमारतें नष्ट हो गई थीं, बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था। म्यांमार और थाईलैंड में आए भीषण भूकंप के कारण मरने वालों की संख्या रविवार को दोनों देशों में बढ़ गई। सत्तारूढ़ जुंटा के अनुसार म्यांमार में अब तक लगभग 1,700 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

भूकंप से मरने वालों की संख्या में इजाफा

इसी तरह, शहर के अधिकारियों के अनुसार बैंकॉक में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी के अनुसार, 32 लोग घायल हुए हैं और 82 अभी भी लापता हैं। इनमें से ज्यादातर लोग निर्माणाधीन 30–मंजिला टावर ब्लॉक की साइट से हैं, जो शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के दौरान ढह गया। भूकंप मध्य म्यांमार के सागाइंग शहर के उत्तर–पश्चिम में आया और उसके कुछ मिनट बाद 6.7 तीव्रता का दूसरा झटका आया। इसने पूरे देश में इमारतों को नष्ट कर दिया, पुलों को गिरा दिया और सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया, देश के दूसरे सबसे बड़े शहर और 1.7 मिलियन से ज्यादा लोगों के घर मांडले में भारी तबाही देखी गई।